RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः330, गुरुवार, 15 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मकर संक्रांति महोत्सव-2026 में रंग-बिरंगी पतंगों से सजा गांधी मैदान 03

मकर संक्रांति सामाजिक एकता भारतीय संस्कृति का प्रतीक - केन्द्रीय मंत्री 04

हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस में रूपा का किरदार निभाना रहा मुश्किल... 07

सिद्धा ने कर्नाटक में राहुल गांधी से मांगी क्लेरिटी

- कहा-सीएम पद पर जारी कन्फ्यूजन से काम करना मुश्किल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर चल रहा द्वंद्व अब दिल्ली के दरबार तक पहुंच गया है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राहुल गांधी से संपर्क कर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर स्थायी समाधान निकालने का आग्रह किया है। सिद्धारमैया का कहना है कि नेतृत्व को लेकर जारी निरंतर भ्रम के कारण शासन और कैबिनेट

विस्तार के कार्यों में बाधा आ रही है। आपको बता दें कि मंगलवार को मैसूर एयरपोर्ट पर राहुल गांधी और सिद्धारमैया के बीच हुई संक्षिप्त मुलाकात के बाद यह मुद्दा और गरमा गया है। राहुल गांधी तमिलनाडु से लौटते समय मैसूर में रुके थे, जहां मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दोनों ने उनकी अगवानी की। हालांकि, सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया ने किसी भी राजनीतिक चर्चा से इनकार किया है।

आठ महीने बाद तेजप्रताप की लालू फैमिली में वापसी

- दही-चूड़ा भोज में पहुंचे लालू, बोले-अब वो साथ ही रहेंगे

पटना (एजेंसी)। तेजप्रताप ने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा है। लालू यादव इस भोज में पहुंचे हैं। लालू यादव ने कहा कि वो तेजप्रताप से नाराज नहीं है। वो परिवार के साथ ही रहें। तेजप्रताप के बीजेपी में जाने के सवाल पर कहा कि, बेटे को हमेशा आशीर्वाद रहेगा। 8 महीने पहले तेजप्रताप की गर्लफ्रेंड के साथ फोटो सामने आने के बाद लालू ने तेजप्रताप को घर और पार्टी से निकाला था। तेजप्रताप के दही चूड़ा भोज

में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, बड़े मामा प्रभुनाथ यादव, साधु यादव और चेतन आनंद भी पहुंचे हैं। अभी तक तेजस्वी-राबड़ी इस भोज में शामिल नहीं हुए हैं। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मंगलवार को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा। इस भोज में तेजप्रताप यादव भी शामिल हुए। इस दौरान विजय सिन्हा से जब सवाल किया गया कि तेजप्रताप को आप एनडीए में आने का निमंत्रण देंगे। इस पर विजय सिन्हा ने कहा, वक्त पर सब पता चल जाएगा। वहीं तेज ने भी कहा कि समय आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा।

थाईलैंड में हादसा, पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन गिरी

- 30 की मौत, 80 से ज्यादा लोग हुए घायल
- ज्यादातर स्कूली छात्र, कई डिब्बे पटरी से उतरे
- 65 फीट की ऊंचाई से कोच पर गिरा मलबा

थाईलैंड (एजेंसी)। थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार से चल रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। एजेंसी के मुताबिक हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 80 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था। हादसे के समय ट्रेन में 195 लोग सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें ज्यादातर यात्री स्कूल के छात्र थे। दुर्घटना के समय ट्रेन लगभग 120 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही थी। न्यूज वेबसाइट 'नेशन थाईलैंड' के मुताबिक क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद क्रेन का मलबा कोच पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी से उतरते ही डिब्बों में आग लग गई। हादसे के कुछ

मिनट बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। कई यात्री डिब्बों में फंसे हुए थे, जिन्हें कटिंग और स्प्रेडिंग उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया। अब तक 12 शव बरामद कर लिए गए हैं। प्रशासन और रेलवे अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्रेन क्यों गिरी और सुरक्षा नियमों का पालन हुआ या नहीं।

स्थानीय लोग और परिवार इस दुखद घटना से सदमे में हैं। घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय निवासी ने एजेंसी को बताया कि उन्होंने एक तेज आवाज सुनी, जिसके बाद दो विस्फोट हुए। निवासी ने कहा,जब मैं यह देखने गया कि क्या हुआ है, तो मैंने पाया कि क्रेन एक यात्री ट्रेन पर पड़ी हुई थी। क्रेन से निकला मेटल का टुकड़ा ट्रेन के बीचों-बीच जा टकराया,जिससे वह दो हिस्सों में कट गया।

25 भैरव बटालियन, 15 शक्ति बाण और 34 दिव्यास्त्र ऐक्टिव

दुश्मन के लिए ये है भारत का अचूक प्लान,चीन-पाक सन्न!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत लगातार अपनी सैन्य ताकत में विस्तार कर रहा है। भारतीय सेना के शूरवीर आकाश, जमीन और समुद्र में दुश्मनों पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। सेना को और मजबूत बनाने के लिए अरबों डॉलर डिफेंस डील पर बातचीत जारी है। इसी बीच सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सेना में शामिल होने वाली नई बटालियनों के बारे में जानकारी दी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया की सेना की युद्ध क्षमता को मजबूत करने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। जिसमें

भैरव लाइट कमांडो बटालियन, शक्तिबाण रेजिमेंट, दिव्यास्त्र तोपखाना रेजिमेंट और अश्विनी प्लाटून जैसी नई इकाइयों का गठन शामिल है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि भारतीय सेना में 25 भैरव बटालियनों को शामिल किया जा रहा है, इसके साथ ही शक्ति बाण की 15 बटालियन शुरुआती तौर पर शामिल की जाएंगी। इसके बाद शक्ति बाण रेजिमेंट की 11 और बटालियनों को सेना में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा 34 दिव्यास्त्र बैटरीज को भी शामिल किया जाएगा।

कर्तव्य पथ पर कदमताल करेगी भैरव बटालियन

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद कारगिल से थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेना की इस नई लाइट कमांडो बटालियन को स्थापित करने का ऐलान किया था। तेजी से इस बटालियन के गठन पर काम हुआ और अब पहली बार कर्तव्य पथ पर भैरव बटालियन के जवान कदमताल करते हुए सुप्रीम कमांडर को सलामी देंगे। अब तक भारतीय सेना की 5 भैरव बटालियन स्थापित हो चुकी हैं। 6 महीने में कुल 25 बटालियन स्थापित किए जाने की योजना है। भैरव बटालियन में एलीट सोल्जर्स शामिल किए गए हैं जो स्विफ्ट और सरप्राइज एक्शन लेने की शक्ति और क्षमता रखते हैं। ऐसी प्रत्येक बटालियन में 250 जवान हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि हमें रॉकेट-मिसाइल फोर्स की जरूरत है और ये जितना जल्दी हो जाए उतना अच्छा है।

सनातन धर्म को मिटाना आसान नहीं, यह अमर है

- सोमनाथ मंदिर को लेकर अमित शाह का बड़ा बयान
- सोमनाथ कई बार नष्ट होने के बावजूद शान से खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और जनमानस की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। उन्होंने सदियों से सोमनाथ मंदिर को नष्ट करने के बार-बार प्रयासों के बावजूद इसके पुनर्निर्माण का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर पर हमला करने वाले अंततः गायब हो गए, लेकिन मंदिर आज भी गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में समुद्र तट पर उसी स्थान पर शान से खड़ा है। वह गांधीनगर जिले के मानसा में 267 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि 16 बार नष्ट होने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज भी शान से खड़ा है और उसका झंडा आसमान में लहरा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वहां एक भव्य सोमनाथ कारिडोर का निर्माण भी किया जा रहा है। यह पूरी दुनिया को संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और भारतीय जनता की आस्था को मिटाना इतना आसान नहीं है।

पीएम मोदी ने केंद्रीय राज्यमंत्री के घर मनाया पोंगल

- बोले-तमिल संस्कृति साझी विरासत, सदियों को जोड़ती है
- पीएम बोले-पोंगल प्रकृति-परिवार के साथ संतुलन बनाता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल समारोह में शामिल हुए। पीएम ने पूजा की। उन्होंने गाय को भी भोजन खिलाया। पीएम ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है। तमिल संस्कृति सदियों को जोड़ती है। आज पोंगल एक ग्लोबल त्योहार बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में तमिल समुदाय और जो लोग तमिल संस्कृति को पसंद करते हैं। पोंगल को बहुत उत्साह से मनाते हैं और मुझे उनमें से एक होने पर गर्व है। मोदी ने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें प्रकृति, परिवार और समाज के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखने का महत्व सिखाता है। जमीन और सूरज के प्रति हमारी कृतज्ञता दिखाता है। तमिल संस्कृति में पोंगल बहुत खुशी का मौका होता है। यह

हमारे किसानों की कड़ी मेहनत का जश्न मनाता है। इसलिए हमारा लक्ष्य ये होना चाहिए कि हमारी थाली भी भरी रहे, हमारी जेब भी भरी रहे और हमारी धरती भी सुरक्षित रहे। बीते एक साल में तमिल संस्कृति से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला, जो बेहद सुखद अनुभव रहा। गंगईकोंड चोलपुरम के 1000 साल पुराने मंदिर में दर्शन का सौभाग्य मिला। काशी तमिल संगमम (वाराणसी) में तमिल संस्कृति की जीवंत परंपराओं को करीब से देखा। रामेश्वरम में पंबन ब्रिज के उद्घाटन के दौरान तमिल विरासत की समृद्धि और महानता का अनुभव हुआ। पोंगल हमें सिखाता है कि कृतज्ञता सिर्फ शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन का हिस्सा बने।

पीएम मोदी बोले- एक भारत श्रेष्ठ भारत

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जब मैं पंबन ब्रिज के उद्घाटन के लिए रामेश्वरम गया, तो मैंने एक बार फिर तमिल इतिहास की महानता देखी। हमारी तमिल संस्कृति पूरे भारत की साझी विरासत है। इतना ही नहीं, यह पूरी इंसानियत की साझी विरासत है। एक भारत श्रेष्ठ भारत की जिस भावना की मैं बात करता हूं, वह पोंगल जैसे त्योहारों से और मजबूत होती है।

पंचायत चुनाव का 'वादा' कुत्तों के लिए बना काल

- तेलंगाना के गांवों में हफ्तेभर में 500 कुत्तों की हत्या

6 लोगों के खिलाफ एफआईआर, छुटकारे का था वादा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के गांवों में ग्राम पंचायत चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों को मारने के मामले सामने आए हैं। बीते एक हफ्ते में अलग-अलग जिलों के गांवों में करीब 500 कुत्तों की कथित तौर पर हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक, इन घटनाओं में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका सामने आ रही है। ताजा मामला कामारेड्डी जिले का है। यहां पालवंचा मंडल के 5 गावों- भवानीपेट, पालवंचा, फरीदपेट, वाड़ी और बंदारामेश्वरपल्ली गांवों में बीते दो-तीन दिनों में करीब 200 आवारा कुत्तों को मारने का आरोप है। पुलिस ने पांच सरपंचों सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इससे पहले, हनमकोंडा जिले के श्यामपेट और अरेपल्ली गांवों में 6 से 9 के बीच लगभग 300 आवारा कुत्तों की हत्या का मामला सामने आया था।

कम स्नोफॉल से नदियों पर छाए संकट के बादल

- हिंदू-कुश हिमालय में 23 साल की सबसे कम बर्फबारी
- संकट! खतरे में पड़ सकता है एशिया का 'वॉटर टावर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन दुनिया की वो हकीकत बन चुकी है, जिससे मुंह फेरना नामुमकिन है। धरती के बढ़ते तापमान का असर मौसम पर साफ देखने को मिल रहा है। देर से दस्तक देती ठंड, पहाड़ों पर पिघलती बर्फ और समुद्र का बढ़ता जलस्तर चीख-चीख

कर आने वाली आपदा के संकेत दे रहे हैं। इसी बीच हिंदू-कुश हिमायलय का चौंकाने वाला डेटा सामने आया है, जिसने क्लाइमेट चेंज पर एक बार फिर मुहर लगा दी है। इंटरनेशनल सेंटर ऑफ इंटिग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट ने हिंदू-कुश पर्वत का सैटेलाइट डेटा पेश किया है। इसके अनुसार, पिछले दो दशकों में इस बार हिमालय पर सबसे कम बर्फबारी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 23 सालों में इस बार स्नो सीजन बेहद कम रहा है।

सरकार ने किया असमानता को खत्म करने का प्रयास

- वन रैंक-वन पेंशन को लेकर राजनाथ सिंह का बड़ा बयान

रक्षामंत्री बोले-पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र सेना वेटरन्स डे पर दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ में पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए उनके शौर्य, बलिदान और आजीवन सेवा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने वन रैंक वन पेंशन पर भी अपनी बात रखी। सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर राजनाथ सिंह ने बुधवार को वन रैंक वन पेंशन पर बात करते हुए कहा कि, लंबे समय से चली आ रही, वन रैंक वन पेंशन की मांग को सरकार ने पूरी ईमानदारी से साकार किया। हमने उस असमानता को खत्म करने का प्रयास किया, जिसे हमारे पूर्व सैनिक

वर्षों से महसूस कर रहे थे। रक्षामंत्री ने कहा, कि इस व्यवस्था के लागू होने से वेटरन्स के जीवन में न केवल वित्तीय स्थिरता आई बल्कि यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि देश उनके साथ न्याय करता है। पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य सुविधाओं की बात करते हुए रक्षामंत्री ने कहा, स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी, सरकार की सोच बिल्कुल स्पष्ट है कि जिसने अपना जीवन देश के नाम कर दिया, उसके स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। इसको ध्यान में रखते हुए,रक्षा क्षेत्र को लगातार मजबूत किया जा रहा है। हमारा यह प्रयास है, स्वास्थ्य सुविधाएं सिर्फ शहरों तक सीमित न रहें।

संक्षिप्त समाचार

सदाकत आश्रम में मनी पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी दुबे की जयंती

पटना।बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व विन्देश्वरी दूबे की 103 वीं जयंती बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में मनायी गयी। इस अवसर पर स्वबिन्देश्वरी दूबे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राजेश राम ने कहा कि स्व0 दूबे बिहार राज्य के ही नहीं बल्कि देश के बड़े श्रमिक नेता थे। स्व0 दूबे के अथक प्रयास से कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया गया जिसके कारण कोयला खदानों के मजदूरों की आर्थिक स्थिति में बड़ा परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि वे लोकप्रिय मुख्यमंत्री थे तथा राज्य सरकार में भी दबे, कुचले, पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यक के विकास के लिये कई योजनाएँ चलायी। उन्होंने कहा कि दूबे जी कार्यकर्ताओं का बड़ा सम्मान करते थे। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के अलावे पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कपिलदेव प्रसाद यादव, ब्रजेश पाण्डेय, अरविन्द लाल रजक, मनोज शर्मा, डा संजय यादव, मृणाल अनामय, रंजीत कुमार बाल्मीकी, स्व बिन्देश्वरी दूबे जी के नाती राकेश चौबे, नतिनी शोभा चौबे, संगीता पाण्डेय, साई विभूति, विनय कृष्ण त्रिपाठी, नदीम अंसारी, चन्द्रभूषण राजपूत, दिलीप कुमार, गुड्डू पासवान, मेनका कुमारी, अविनाश कुमार अविनाश, रमाशंकर पाण्डेय, अमन कुमार, नन्दन मंडल सहित अन्य कांग्रेसजन स्व बिंदेश्वरी दुबे के चित्र पर माल्यार्पण किए।

लोजपा रामविलास का दही चूडा-भोज प्रदेश कार्यालय में आज

पटना।लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के 1 विलर रोड स्थित बिहार प्रदेश कार्यालय में मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में पार्टी द्वारा चूड़ा -दही भोज कार्यक्रम आज 15 जनवरी दिन गुरुवार को आयोजित की गई है। जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान जी शामिल होंगे । पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने प्रेस को बताया कि उक्त चूड़ा-दही भोज कार्यक्रम में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महामहिम विधानसभा अध्यक्ष विधान परिषद के सभापति और सभी दलों के नेता बिहार सरकार के माननीय मंत्री और माननीय विधायक शामिल होंगे । डॉ भट्ट ने कहा कि कार्यक्रम में बिहार से जुड़े पार्टी के सभी माननीय सांसद माननीय विधायक बिहार से जुड़े पार्टी के राष्ट्रीय नेता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदेश सचिव महासचिव और सभी जिलों के जिला अध्यक्ष समेत पार्टी के सभी जिलों के कार्यकर्ता हजारों की संख्या में शामिल होंगे और इस मौके पर एक दूसरे को मिलकर बधाई देंगे ।

अस्पताल और स्कूलों की सेहत संवार रही दीदी की रसोई : श्रवण

» जीविका दीदी रसोई से पेश कर रहीं महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल

» मुफीद दाम पर स्कूली बच्चों और मरीजों के निवाले में घोल रहीं पौष्टिक, पारंपरिक व्यंजन की मिठास

पटना। ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि बिहार की महिलाएं शिक्षा, राजनीति, कृषि, बैंकिंग और पुलिसिंग के साथ दूसरे कई क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति तेजी से दर्ज कराई हैं। एक नई बानगी के तौर पर ग्रामीण विकास विभाग की ओर से राज्य भर में संचालित हो रही दीदी की रसोई के रूप में देखा जा सकता है। इस रसोई में समूह की महिलाएं न सिर्फ अपने स्वरोजगार के लिए नई जमीन तलाश कर रही हैं बल्कि यहां पर स्वास्थ्य वर्धक और पारंपरिक व्यंजनों की मिठास खाने की थाली में परोस रही हैं। खासकर मेडिकल कॉलेज, जिला और अनुमंडलीय अस्पतालों के साथ आवासीय विद्यालयों में दीदी के हाथों से तैयार नाश्ता और भोजन मरीज और बच्चों की सेहत संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मंत्री ने प्रेस प्रतिनिधि से बात करते हुए विशेष चर्चा करते हुए यह भी बताया कि जीविका दीदी की रसोई बिहार सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य रोगियों, छात्रों, आम नागरिकों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। इसका संचालन राज्य भर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के हाथों किया जा रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि राज्य में अभी तक 340 दीदी की रसोई संचालित की जा रही है। इसके सहारे करीब छह हजार से भी अधिक महिलाओं के हाथों को रोजगार मिल चुका है। दीदी की रसोई में चाय, कॉफी और दूसरे नाश्ते के साथ बिहार की पारंपरिक पहचान चूड़ा, घुघनी, लिट्टी-चोखा आदि व्यंजन तैयार किया जा रहा है। सरकारी विभागों में संचालित दीदी की रसोई में वहां की मांग के अनुसार भोजन और नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला अस्पताल और आवासीय स्कूलों में तय मीन्यू के अनुसार ही नाश्ता और भोजन परोसा जा रहा है। समूह से जुड़ी महिलाओं के हाथों तैयार नाश्ता और भोजन की गुणवत्ता जहां बाजार से कई गुनी अधिक होती है वहीं कम कीमत पर ही लोग पारंपरिक और स्वादिष्ट व्यंजन की लुत्फ उठा रहे हैं।

इन स्थानों पर रसोई खोलने की तैयारी:17 जनवरी को बिहार पुलिस अकादमी राजगीर में दीदी की रसोई का शुभारंभ होगा। यहां एकसाथ 1600 रंगरूटों (नवनियुक्त पुलिस कर्मी) के लिए भोजन और नाश्ते की व्यवस्था दीदी की रसोई में की जाएगी। इसके लिए इस स्थान पर 150 जीविका दीदियां अलग-अलग शिफ्ट में अपनी सेवा देंगी। इसी के साथ सरकार की मंशा के अनुसार राज्य के सभी जिला अस्पताल और कलेक्ट्रेट में दीदी की रसोई संचालित करने की योजना है। दीदी की रसोई में बनने वाले व्यंजन की निगरानी के लिए विभाग ने अन्नपूर्णा जीविका उत्पादक कंपनी को जिम्मेदारी सौंप रखी है।

राज्य भर में इन स्थानों पर हो रहा रसोई का संचालन:मेडिकल कॉलेज, अनुंडलीय अस्पताल, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति आवासीय स्कूल, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग आवासीय स्कूल, अल्पसंख्यक कल्याण आवासीय स्कूल, बिहार इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड अलाइज साइंसेज (बीआईएमएचएएस), पटेल भवन पटना, पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (बीएसएपी, पुलिस लाइन), जिला मुख्यालय स्तर पर बस डिपो, प्रखंड मुख्यालय, बिहार पुलिस अकादमी, अनुमंडल कार्यालय, समाहरणालय परिसर, प्रखंड स्तरीय कैंटीन, वृद्धाश्रम, विभिन्न शासकीय एवं सार्वजनिक संस्थान

रसोई खुलने का समय:दीदी की रसोई का संचालन संबंधित संस्थान के कार्य-समय एवं आवश्यकता के अनुरूप किया जा रहा है। मुख्य रूप से अस्पताल परिसर सुबह करीब 8 बजे नाश्ता, दोपहर 1 बजे और रात 8 बजे भोजन की सुविधा रहती है। रसोई के सुचारु एवं समयबद्ध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए दीदी अपने निर्धारित सेवा-समय से पूर्व सामान्य रूप से सुबह 6 बजे संस्थान में उपस्थित हो जाती हैं। यहां रसोई की साफ-सफाई के साथ दिन भर रसोई संबंधी गतिविधियां चलती रहती हैं।

रसोई की खासियत:- सस्ता पौष्टिक भोजन, पारंपरिक व्यंजन, महिला सशक्तिकरण को मजबूती, भोजन में घर जैसी आत्मीयता और प्यार का मिश्रण मंत्री ने अंत यह भी कहा कि आज अस्पताल, स्कूल, सरकारी संस्थान और दूसरे सार्वजनिक स्थलों पर दीदी की रसोई लोगों को सिर्फ भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। यह ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी और सशक्त बनाने का एक सशक्त माध्यम है। राज्य में करीब 340 समूह के सहारे करीब छह हजार से भी अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में BIRSAC के कार्यों की समीक्षा

एजेंसी

पटना।राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में आज बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (BIRSAC) द्वारा संचालित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ. प्रतिमा तथा विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव एवं सचिव उपस्थित रहे। बैठक में विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से BIRSAC की वर्तमान गतिविधियों की जानकारी दी गई। बताया गया कि BIRSAC राज्य में प्राकृतिक संसाधनों एवं विभागीय परिसंपत्तियों का जियो-स्पैशियल इन्वेंट्री निर्माण, राज्य स्तरीय योजना एवं विकास कार्यों

के लिए स्पैशियल डेटा उपलब्ध कराने, आपदा निगरानी एवं प्रबंधन तथा ग्राम स्तर पर जियो-स्पैशियल डेटाबेस के निर्माण जैसे कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने सभी विभागों को BIRSAC की जियो-स्पैशियल सेवाओं का व्यवस्थित एवं व्यापक उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस क्रम में राज्य सरकार की BIRSAC जियो-स्पैशियल सेवा उपयोग नीति की जानकारी दी गई, जिसके तहत 50 करोड़ अथवा उससे अधिक लागत की अवसंरचना परियोजनाओं के DPR में जियो-स्पैशियल

» 50 करोड़ से अधिक की अवसंरचना परियोजनाओं के DPR में जियो-स्पैशियल अनुमोदन होगा अनिवार्य

एनालिटिक्स को अनिवार्य ऐड-ऑन के रूप में शामिल किया गया है, जिसके अंतर्गत संबंधित विभाग द्वारा BIRSAC की सेवाओं के उपयोग हेतु कुल परियोजना लागत का मात्र 0.25 प्रतिशत शुल्क देय होगा; यह न्यूनतम शुल्क संस्थान की वित्तीय क्षमता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ राज्य पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाले बिना पूरी व्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाएगा। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा BIRSAC की जियो-स्पैशियल क्षमताओं को राज्य की अवसंरचना योजना प्रक्रिया से औपचारिक रूप से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में अवसंरचना विकास को वैज्ञानिक, डेटा-आधारित एवं भविष्य उन्मुख बनाने के लिए BIRSAC की सेवाओं का उपयोग अब वैकल्पिक नहीं, बल्कि आवश्यक है। सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि योजना निर्माण के स्तर पर ही जियो-स्पैशियल इनपुट को सम्मिलित किया जाए, ताकि बाद के चरणों में तकनीकी, प्रशासनिक एवं भूमि संबंधी बाधाओं से बचा जा सके। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा स्पष्ट किया गया कि अब 50 करोड़ से अधिक लागत की सभी अवसंरचना परियोजनाओं के DPR को वित्तीय स्वीकृति दिए जाने से पूर्व BIRSAC से तकनीकी अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सभी विभागों को इस व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया।

मकर संक्रांति के अवसर पर जदयू द्वारा आयोजित दही-चूड़ा भोज में शामिल हुए मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज मकर संक्रांति के अवसर पर 1/20-मंत्री एन्क्लेव गर्दनीबाग, पटना में पूर्व मंत्री एवं जदयू विधायक रत्नेश सादा के आवास पर जदयू द्वारा आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री रत्नेश सादा ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, विधायक श्याम रजक, विधायक शीला कुमारी, विधायक संतोष कुमार निराला, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा, पटना की महापौर सीता साहू सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कैबिनेट का बड़ा फैसला: पौधा संरक्षण संवर्ग को मिला नया विस्तार

एजेंसी

» पौधा संरक्षण पर्यवेक्षक एवं निरीक्षक पदों का पुनर्गठन स्वीकृत : राम कृपाल

पटना।कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि राज्य में कृषि सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं किसानोन्मुखी बनाने की दिशा में बिहार सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कृषि विभाग, बिहार के अधीन बिहार कृषि अधीनस्थ सेवा कोटि-05 (पौधा संरक्षण) संवर्ग के अंतर्गत पदों के पुनर्गठन एवं अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) से प्राप्त हो गई है। मंत्री ने बताया कि इस निर्णय के तहत् बिहार कृषि अधीनस्थ सेवा कोटि-05 (पौधा संरक्षण) संवर्ग अन्तर्गत पौधा संरक्षण पर्यवेक्षक 194 पद एवं पौधा संरक्षण निरीक्षक के 99 पद अर्थात कुल 293 अतिरिक्त पदों का सृजन कर पौधा संरक्षण पर्यवेक्षक के कुल 534 पद एवं पौधा संरक्षण निरीक्षक के कुल 160 पद अर्थात कुल 694 पदों के पुनर्गठन /सृजन की स्वीकृति दी गई है। कृषि मंत्री ने कहा कि यह निर्णय राज्य के किसानों के हित में एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी कदम है। पौधा संरक्षण सेवाओं के सुदृढ़ होने से कीट-रोग प्रबंधन, फसल सुरक्षा, उत्पादन लागत में कमी तथा कृषि उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके माध्यम से किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने आगे कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य एवं कीट-रोगों की बढ़ती चुनौतियों के बीच पौधा संरक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। नई नियुक्तियों एवं पदों के सृजन से जिला एवं प्रखंड स्तर पर विभागीय कार्यों की गति तेज होगी तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा। कृषि मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि, टिकाऊ कृषि, आधुनिक तकनीकों के प्रसार एवं कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पौधा संरक्षण संवर्ग के सुदृढ़ीकरण से न केवल कृषि व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। अंत में उन्होंने कहा कि बिहार सरकार आत्मनिर्भर किसान एवं समृद्ध बिहार के संकल्प को साकार करने हेतु कृषि क्षेत्र में आवश्यक संरचनात्मक सुधार एवं मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सुप्रजा, वयोमित्र और आयुर्विद्या से संवरेगी प्रदेश की सेहत - मंगल

एजेंसी

» योग, आयुर्वेद और विशिष्ट चिकित्सा पर जोर

» गांव -गांव पहुंचेगी मोबाइल मेडिकल यूनिट

पटना।स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य आयुष समिति ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करने के लिए एक मेगा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है। इसके तहत राज्य आयुष समिति, प्रदेश में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पांच बड़े विशेष कार्यक्रमों सुप्रजा,मोबाईल मेडिकल यूनिट,वयोमित्र ,आयुर्विद्या और फाइलेरिया कार्यक्रम का संचालन करेगी। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में योग,आयुर्वेद और विशिष्ट चिकित्सा पर जोर दिया जाएगा। वहीं इस कार्यक्रम के तहत राज्य के सुदूर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों तक विशिष्ट चिकित्साएं पहुंचाई जा सकेंगी। श्री पांडेय ने कहा कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए ''सुप्रजा'' कार्यक्रम को पटना, दरभंगा, बक्सर, भागलपुर और बेगूसराय के राजकीय आयुर्वेदिक एवं तिब्बी कॉलेजों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। साथ ही, राज्य के बुजुर्गों को वृद्धावस्था की बीमारियों से राहत देने के लिए जिला स्तर पर ''वयोमित्र'' शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि आयुष चिकित्सा की पहुँच सीधे आम जनता तक सुनिश्चित हो सके। स्वास्थ्य सुविधाओं को समावेशी बनाते हुए विभाग ने आदिवासी क्षेत्रों और स्कूलों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। रोहतास, भोजपुर, पूर्णिया, मुंगेर, कटिहार भागलपुर और पश्चिम चंपारण जैसे जिलों में ''मोबाइल मेडिकल यूनिट'' के जरिए सुगम उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, स्कूली बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जगाने के लिए "आयुर्विद्या" कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिसके तहत राज्य के विद्यालयों में योग की जानकारी के माध्यम से जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। श्री पांडेय ने कहा कि संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए ''फाइलेरिया कार्यक्रम'' को भी इस मिशन में प्रमुखता दी गई है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए पटना, दरभंगा, बक्सर और भागलपुर के राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेजों के साथ-साथ समस्तीपुर और नालंदा जिलों में विशेष यूनिट्स की स्थापना किया जाएगा। इन समन्वित प्रयासों का उद्देश्य राज्य के हर नागरिक को उनके क्षेत्र में ही आयुष पद्धति के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और किफायती इलाज मुहैया कराना है।

सियासत से समाप्त हो जाएंगे सनातन संस्कृति का अपमान करनेवाले : प्रभाकर मिश्र

एजेंसी

» प्रभु श्रीराम को लेकर दिया गया महेश कुमार गौड़ का बयान निंदनीय

» सनातन धर्म की रक्षा के लिए भाजपा पूरी तरह प्रतिबद्ध

पटना।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री प्रभाकर कुमार मिश्र ने तेलंगाना कांग्रेस के एमएलसी बोम्मा महेश कुमार गौड़ द्वारा भगवान श्री राम को लेकर दिये बयान की कड़ी निन्दा की है। श्री मिश्र ने कहा कि सनातन का जिसने भी अपमान किया, उसका अंत तय है। बोम्मा महेश कुमार जैसे लोग ही कांग्रेस की समाप्ति का कारण बनेंगे। ऐसे लोग कांग्रेस की अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए मौके की तलाश में है। Bश्री मिश्र ने कहा कि बिहार से लेकर तेलंगाना तक कांग्रेस और उसके सहयोगी सनातनी धर्म संस्कृति का अपमान करने की कोशिश में जुटे हैं। बिहार में कांग्रेस के अनुयायी नवरात्र में फिश पार्टी कर फोटो खिंचवा रहे हैं। लेकिन, ऐसे कुकृत्य से सनातनी धर्म संस्कृति कभी धूमिल नहीं हो सकती। श्री मिश्र ने कहा कि बोम्मा महेश

कान खोलकर सुन लें, प्रभु श्री राम किसी दल में नहीं हैं, लेकिन कोई दल उनके दायरे से बाहर नहीं जा सकता। रामचरित मानस में लिखा गया है, 'होइहि सोइ जो राम रचि राखा।' जो राम का अपमान करेगा, उसपर पूर्ण विराम लगना तय है। कांग्रेस को उसकी करनी का फल मिल रहा और वह जल्द ही इतिहास के पन्नों में दफन हो जाएगी। श्री मिश्र ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस जब-जब राजनीतिक रूप से हताश होती है, तब-तब हिंदू आस्था पर प्रहार कर सस्ती राजनीति करती है। कभी राम मंदिर पर सवाल, कभी गीता पर टिप्पणी और अब भगवान श्रीराम पर तंज — यह कांग्रेस की पुरानी और घिसी-पिटी रणनीति है। उन्होंने कहा कि भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, 'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।' अर्थात, जब-जब धर्म की हानि होती है और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं प्रकट होता हूं। कांग्रेस ने जो अपने शासनकाल में किया, उससे मुक्ति के लिए ही भाजपा का उदय हुआ और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की बागडोर संभाली। बिहार में जंगलराज से मुक्ति के लिए ही एनडीए की सरकार बनी। बिहार में जंगल राज लाने वाले आज भ्रष्टाचार की दलदल में आकंठ डूबकर समाप्ति की कगार पर हैं। आज जब देश भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परिवारवाद से जूझ रहा था, तब भारत को एक मजबूत, निर्णायक और राष्ट्रहित में काम करने वाले नेतृत्व की आवश्यकता थी, और उसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व देश को मिला। श्री मिश्रा ने कांग्रेस से सवाल किया कि वह देश को यह स्पष्ट करे कि क्या वह भगवान श्रीराम और सनातन धर्म का सम्मान करती है या फिर उनके अपमान को ही अपनी राजनीति का आधार बना चुकी है। कांग्रेस के कुकृत्य से सनातन संस्कृति की धवलता कभी खत्म नहीं हो सकती। भाजपा सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नयी उम्मीदों और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है मकर संक्रांति : नंदकिशोर

एजेंसी

» पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने देश-प्रदेश के लोगों को मकर संक्रांति की दी बधाई

पटना।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव ने देश-प्रदेश के लोगों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। श्री यादव ने कहा कि यह त्योहार नयी उम्मीदों और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मेरी कामना है कि मकर संक्रांति देश-प्रदेश के लिए समृद्धि और खुशहाली लेकर आये। सनातनी धर्म संस्कृति में मकर संक्रांति पर्व का खास महत्व है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति अलग-अलग नामों से पूरे देश में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूंकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। । मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। श्री यादव ने कहा कि मकर संक्रांति उत्साह और उमंग का पर्व है। ऐसा माना जाता है कि मकर संक्रांति के बाद ठंड की विदाई होने लगती है ऋतुराज वसंत की आहट महसूस होने लगती है। मकर संक्रांति भाईचारे का त्योहार है। इस दिन लोग चूड़ा-दही का भोज देते हैं, जिसमें हर वर्ग और हर सम्प्रदाय के लोग शामिल होते हैं। मकर संक्रांति के बाद खरमास समाप्त हो जाता है और लोग शुभ कार्य शुरू करते हैं।

बिहार लोक भवन में मकर संक्रांति उत्सव का आयोजन किया गया

एजेंसी

पटना।बिहार लोक भवन में मकर संक्रांति उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने कहा कि मकर संक्रांति एक अनूठा त्योहार है और यह भारतीय संस्कृति की आत्मा का परिचायक है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के दिन उस परिवर्तन का उत्सव मनाया जाता है, जो काफी धीरे-धीरे और अत्यंत सहज व शांत रूप से घटित होता है। इस दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर अग्रसर होता है। दुनिया में यह त्योहार सिर्फ भारत में ही मनाया जाता है। राज्यपाल ने कहा कि परिवर्तन अवश्यंभावी है और इसे रोका नहीं जा सकता, किंतु जो परिवर्तन धीरे-धीरे आता है वही स्थायी और टिकाऊ होता है। विश्व में अनेक क्रांतियाँ हुईं, परंतु उनका

प्रभाव 10, 20 या 50 वर्षों में समाप्त हो गया। भारतीय संस्कृति में क्रांति के स्थान पर संक्रांति की अवधारणा है, जिसमें क्रमिक परिवर्तन होता है और उसका प्रभाव दीर्घकालिक होता है। इस अवसर पर 'किलकारी' के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विधायक एवं सुप्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर ने भी अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, अन्य मंत्री, सैन्य अधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, वरीय पदाधिकारीएवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कानून बेड़ियों में, अपराध बेलगाम,राज्य में डर का राज, अपराधियों का तांडव

एजेंसी

फतुहा। सम्राट चौधरी जी भुमिका कि कतार सजाने से पुलिस नहीं सुधरेगी।समुचे बिहार में अपराधियों का तांडव दूसरी ओर सरकार और सत्ताधारी कार्यकर्ताओं जीरो टॉलरेंस के नारा से जनता को स्वागत करने में नहीं हिचकते जैसे लगता हैं कि जनता बहरा है। दिल दहला देने वाले घटना। घटना पटना सिटी चौक थाना से कुछ ही दुरी पर शहीद भगत सिंह चौक के समीप हीरानंद शाह गली में दिनदहाड़े दो गुटों के बीच चाकूबाजी होने लगी।एक की मौत हो गई।मृतक कि पहचान संपतचक निवासी 18 वर्षीय बिट्टू कुमार की रुप में? घटना नाथनगर इलाके में अभिषेक को पहले जाघं में गोली मारी फिर इलेक्ट्रॉनिक आरी से उसके शरीर को तीन टुकड़े में काट डाला। जीवीनगर थाना के पिपड़ा दो युवाको का गला रेता, बोरे मिला शव। पिपराही थाना क्षेत्र की मंझरिया पंचायत में प्रदीप कुशवाहा

को लाठी से पीट पीट कर हत्या कर दिया। खगड़िया। आंगनबाड़ी केन्द्र में चौकलेट का लालच देकर पांच वर्षीय बच्ची के साथ किया दुष्कर्म। अलौली थाना क्षेत्र के एक गाँव में सड़क किनारे पेशाब करने घर से निकली की किशोरी को जबरन उठाकर आंगनबाड़ी केन्द्र में ले जाकर दुष्कर्म किया। शेखपुरा जिला के चांपी गाँव पति-पत्नी दोनों को निमर्म हत्या कर दिया। मृतको की पहचान प्रदीप यादव पत्नी केशरी देवी। सुपौल। बीड़ी नहीं देने पर बृद्धा को पीट पीट कर हत्या कर दिया। मृतक का पहचान। सचमुच में सम्राट चौधरी जी अपराध रोकना चाहते हैं तो भुमिका से पुलिस नहीं सुधरेगी सुधारने के लिए पुलिस आइयो को जिम्मेदारी देना होगा कि अपराध में इस्तेमाल होने वाले हथियार को बरामद करना अनिवार्य करना होगा तथा बरामद हथियार के निर्माण स्थल का उद्भेदन करना अनिवार्य के साथ अपराध में इस्तेमाल किये जाने वाले कारतूस उपलब्ध कराने वाले का भी उद्भेदन करना अनिवार्य कर दें। 90 प्रतिशत से भी ज्यादा अपराध में कमी आ जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का होगा ऑन द स्पॉट समाधान, सप्ताह में दो दिन लगेगी जनसुनवाई

बीएनएम @ मोतिहारी : बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के निर्देश के आलोक में अब रक्सौल के बिजली उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। रक्सौल विद्युत प्रमंडल में अब सप्ताह में दो दिन विशेष जनसुनवाई शिविर आयोजित कर उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाएगा। रक्सौल विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने बताया कि ऊर्जा सचिव सह सीएमडी मनोज कुमार सिंह के निर्देश पर प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। यह नई व्यवस्था आगामी 19 जनवरी से प्रभावी होगी। उन्होंने बताया कि सरकार के सात निश्चय-2 के अंतर्गत "सबका सम्मान–जीवन आसान" संकल्प को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। जनसुनवाई के दौरान रक्सौल प्रमंडल क्षेत्र के सभी कार्यालयों में संबंधित अधिकारी तय समय पर उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनेंगे और उनका निष्पादन करेंगे। जनसुनवाई का समय सोमवार को दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक तथा शुक्रवार को दोपहर 3:00 बजे से 4:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान प्रमंडल कार्यालय में स्वयं कार्यपालक अभियंता, सब-डिवीजन कार्यालय में सहायक विद्युत अभियंता तथा सेक्शन स्तर पर कनीय अभियंता की उपस्थिति अनिवार्य होगी। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि जनसुनवाई शिविरों में उपभोक्ताओं के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे उपभोक्ताओं के साथ संवेदनशीलता एवं शालीन व्यवहार रखें। जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया जाएगा, ताकि उनके समाधान की निरंतर निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्य यह है कि रक्सौल प्रमंडल के उपभोक्ताओं को बिजली बिल, मीटर खराबी, नए कनेक्शन या अन्य समस्याओं को लेकर किसी प्रकार की परेशानी न हो। 19 जनवरी से वे स्वयं एवं उनकी पूरी टीम निर्धारित समय पर जनसुनवाई के लिए उपलब्ध रहेगी।

भारी मात्रा में चुलाई शराब बरामद व हजारों लीटर अर्धनिर्मित चुलाई शराब सहित तीन भट्ठियों को किया गया विनष्ट

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के मेहवा गांव के सरेह में बुधवार को स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर नब्बे लीटर चुलाई शराब जब्त किया और पैंतालीस सौ लीटर अर्धनिर्मित चुलाई शराब व शराब बनाने वाली तीन भट्टीयों को नष्ट कर दिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि मेहवा गांव के सरेह में भारी मात्रा में देशी चुलाई शराब का निर्माण किया जा रहा है। सूचना पर ए एल टी एफ सदर प्रभारी पुलिस निरीक्षक व स्थानीय थाने की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुये छापेमारी की। छापेमारी की भनक लगते ही गन्ना खेतों के बीच चुलाई शराब बनाने वाले कारोबारी मौके से फरार हो गये। पुलिस ने शराब निर्माण की तीनों भट्ठियों सहित अर्धनिर्मित शराब को विनष्ट कर दिया। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में पुलिस अग्रतर कार्यवाही करने में जुटी है।

हरसिद्धि में 19 जनवरी को लगेगा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर

बीएनएम @ हरसिद्धि। हरसिद्धि विकास मंच की एक आवश्यक बैठक बुधवार को ई. राकेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए आंखों के मोतियाबिंद की निःशुल्क जांच हेतु विशेष स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा। बैठक में जानकारी दी गई कि यह जांच शिविर आगामी 19 जनवरी 2026 को चंपारण कोल्ड स्टोरेज के प्रांगण में लगाया जाएगा। शिविर में इच्छुक लोग निःशुल्क अपनी आंखों की जांच करा सकेंगे। जांच के दौरान जिन मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि होगी, उनका निःशुल्क ऑपरेशन लायंस क्लब ऑफ मोतिहारी कपल के सहयोग से कराया जाएगा। हरसिद्धि विकास मंच के पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग शिविर में पहुंचकर इस जनहितकारी पहल का लाभ उठाएं। यह आयोजन जरूरतमंदों के लिए बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पुलिस ने छापेमारी कर तीन पियक्कड़ किया गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून के उल्लंघन के खिलाफ पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर तीन पियक्कड़ों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को शराब के नशे की हालत में पकड़ा गया। गिरफ्तार पियक्कड़ों की पहचान विपुल श्रीवास्तव (पिता– संजय श्रीवास्तव, निवासी हसुआह वार्ड संख्या–2), सुनील महतो (पिता– स्वर्गीय रामउग्र महतो) तथा नरेश पासवान (पिता– सुदामा पासवान, निवासी ग्राम भाड़ा, वार्ड संख्या–6) के रूप में हुई है। डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया है। उनके विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी टीम में पीएसआई संतोषी कुमारी एवं पीएसआई प्रीतम कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल शामिल था। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और आगे भी ऐसे विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे।

मकर संक्रांति महोत्सव-2026 में रंग-बिरंगी पतंगों से सजा गांधी मैदान

» ऑडिटोरियम में कला प्रतियोगिताओं का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मकर संक्रांति के अवसर पर कला, संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में मकर संक्रांति महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर गांधी मैदान में पतंग प्रतियोगिता, जबकि महात्मा गांधी ऑडिटोरियम में चित्रकला, मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारंभ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने गांधी मैदान में पतंग उड़ाकर किया। इस अवसर पर जिला नजारत उपसमाहर्ता प्रेमलता कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। गांधी मैदान में आयोजित पतंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर आकाश को आकर्षक बना दिया। पतंग प्रतियोगिता में शांति निकेतन जुबली स्कूल के शुभम यादव ने प्रथम, जिला स्कूल के सौरभ कुमार ने द्वितीय तथा शांति निकेतन जुबली स्कूल के कुमार आर्यन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महात्मा गांधी ऑडिटोरियम में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में एमजेके गर्ल्स इंटर कॉलेज को प्रथम, शांति निकेतन जुबली स्कूल को द्वितीय एवं गोपाल साह उच्च विद्यालय को तृतीय पुरस्कार मिला। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रभावती गुप्ता गर्ल्स इंटर कॉलेज ने प्रथम, मुजीब गर्ल्स इंटर कॉलेज ने द्वितीय तथा शांति निकेतन जुबली स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में शांति निकेतन जुबली स्कूल प्रथम, मुजीब गर्ल्स इंटर कॉलेज द्वितीय और एमजेके गर्ल्स इंटर कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा। सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए, वहीं विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में जिला सामान्य प्रशाखा पदाधिकारी निधि कुमारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी फहद सिद्दीकी, मुंशी सिंह कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार एवं वरीय संस्कृतिकर्मी संजय पाण्डेय शामिल रहे।

पताही थाना क्षेत्र में शराब के साथ वाहन जब्त, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ पताही

थाना छेत्र से बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2018 की धारा 30(ए) के अंतर्गत दो शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है।पताही पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अवैध शराब के साथ एक वाहन को भी जब्त किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मौके से शराब तस्करी में प्रयुक्त वाहन को कब्जे में लिया गया है। मामले में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वही इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि दो शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है जिसमे बबलू कुमार पिता रामबाबू राय एवम सतीस कुमार पिता दिनेश साह ग्राम कोठिया थाना एवम जिला शिवहर का निवासी है दोनों के विरुद्ध पताही थाना कांड संख्या 5/2026 दर्ज कर न्यायिक हिरासत मोतिहारी भेज दिया गया है।साथ ही मद्यनिषेध कानून के तहत दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

लायंस क्लब रक्सौल ने महिला शेल्टर होम में सिलाई मशीन व गृह उपयोगी सामग्री भेंट की

बीएनएम @ रक्सौल

लायंस इंटरनेशनल के संस्थापक मेलविन जोन्स की जन्मजयंती के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय लायन सेवा पखवाड़ा के तहत लायंस क्लब रक्सौल द्वारा बुधवार को शहर के कॉलेज रोड स्थित शफी कॉलोनी में महिला शेल्टर होम एवं प्रशिक्षण केंद्र में सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लायंस क्लब रक्सौल के अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों ने शेल्टर होम में सिंगर कंपनी की सिलाई मशीन (स्टैंड सहित), गर्म कंबल, चूड़ा, दही, गुड़ एवं तिलकुट भेंट किया। इस अवसर पर क्लब के सचिव लायन मोहम्मद निजामुद्दीन, कोषाध्यक्ष लायन अमित कुमार सहित लायन गणेश धानोठिया, लायन डॉ. सुशील सिंह, लायन हेमंत अग्रवाल, लायन नारायण रुंगटा तथा लायन आमोद उर्फ दिलीप कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लायंस क्लब रक्सौल के अध्यक्ष बिमल कुमार सर्राफ ने कहा कि संस्थापक की जन्मजयंती और मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महिला शेल्टर होम एवं प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई मशीन और कंबल सहित खाद्य सामग्री भेंट करने का उद्देश्य वहां रह रही निराश्रित महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना और पर्व की खुशियां उनके जीवन में लाना है। उन्होंने कहा कि सेवा परमो धर्मः की भावना के साथ लायंस क्लब रक्सौल भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यक्रम लगातार आयोजित करता रहेगा। इस अवसर पर स्वच्छ रक्सौल के अध्यक्ष सह शेल्टर होम एवं प्रशिक्षण केंद्र के संस्थापक रंजीत सिंह, सेवा प्रमुख साबरा खातून सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अरेराज थाना का डीएसपी ने किया सघन निरीक्षण, गश्ती में लापरवाही पर सख्त चेतावनी

बीएनएम @ अरेराज

क्षेत्र में अपराधियों के मन में भय और आम जनता के बीच विश्वास कायम करने के उद्देश्य से अरेराज के डीएसपी रवि कुमार ने बुधवार को अरेराज थाना का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएसपी के तेवर काफी सख्त नजर आए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुलिस गश्ती में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि फील्ड में पुलिस की मौजूदगी केवल औपचारिक नहीं, बल्कि प्रभावी और परिणाम देने वाली होनी चाहिए। निरीक्षण के क्रम में डीएसपी रवि कुमार ने अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व एवं कार्यशैली की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्ष द्वारा क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं और जिस तरह अपराध पर अंकुश लगाया गया है, वह अन्य पुलिस पदाधिकारियों के लिए अनुकरणीय है। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को देखते हुए डीएसपी ने थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी एवं थाने के मुंशी को पुरस्कृत करने के लिए विभाग को रिवॉर्ड का प्रस्ताव भेजने की बात कही। उल्लेखनीय है कि अरेराज थाना की कमान संभालने के बाद से ही थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने अवैध शराब कारोबार, गांजा तस्करी एवं कानून तोड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, नशे के कारोबारियों और पियक्कड़ों पर सख्त कार्रवाई से क्षेत्र की शांति व्यवस्था मजबूत हुई है। वहीं एसआई राजेश तिवारी एवं एसआई जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम भी पूरी सक्रियता के साथ अपराधियों के मंसूबों को नाकाम करने में जुटी हुई है। अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की बढ़ती सक्रियता से समाज विरोधी तत्वों में खौफ का माहौल है और कई अपराधी भूमिगत होने को मजबूर हैं।

जिला परिषद की सामान्य बैठक में सख्त तेवर, अतिक्रमण हटाने व बकायेदार किरायादारों पर कार्रवाई का निर्णय

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर के जिला परिषदीय महात्मा गांधी सभा भवन में बुधवार को जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में जिला परिषद की सामान्य बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अनुपस्थित रहने वाले तथा अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने वाले पदाधिकारियों से कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया गया। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संबंधित पदाधिकारियों एवं विभागों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु उनके मूल विभाग को सूचित किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय ने कहा कि जिले की अधिकांश जिला परिषदीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया है, जिसे चिन्हित कर लिया गया है। शीघ्र ही जिला प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही वर्षों से किराया बकाया रखने वाले जिला परिषदीय किरायादारों को भी चिन्हित कर लिया गया है, जिनके विरुद्ध जल्द ही दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। श्रीमती राय ने पशुपालन, विद्युत, समेकित बाल विकास परियोजना, आयुष्मान योजना तथा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी रैबीज वैक्सीन को आम जनता की आवश्यकता के अनुरूप उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही समेकित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को सेविका-सहायिका के घरों पर संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को तत्काल हटाकर सरकारी भवनों में स्थानांतरित कराने का आदेश दिया गया। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए आवेदनों के त्वरित निष्पादन में लापरवाही एवं दूरभाष अनुरोधों की अनदेखी को गंभीरता से लेते हुए मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को दोषी पदाधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला परिषद उपाध्यक्ष गीता देवी, विधायक ई. राणा रंधिर सिंह, सचिन्द्र प्र. सिंह, राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता सहित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य, प्रमुखगण एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी करूणा नंद पुरुषोत्तम, जिला अभियंता, सिविल सर्जन तथा विद्युत, शिक्षा, पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य विभाग, पीएचईडी, अग्निशामक विभाग सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी बैठक में मौजूद थे।

पुलिस ने शराब के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज

उत्पाद पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए बेतिया-अरेराज मुख्य मार्ग (लौरिया अशोक स्तंभ) के पास से 96 पीस विदेशी शराब बरामद की है। थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के निर्देश पर एएसआई अजित कुमार सिंह ने बाइक सवार दो तस्करों को रंगे हाथों पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मलाही थाना के चटिया निवासी सोनालाल यादव (पिता शिवपूजन यादव) और विजय यादव (पिता बीरबल यादव) के रूप में हुई है। पुलिस ने बाइक और शराब को जब्त कर दोनों तस्करों पर कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया।

हथियारों के जखीरे के साथ केसरिया में दो अपराधी गिरफ्तार, बड़ी साजिश नाकाम

एक नाली बंदूक, दो देसी कट्टा, रामपुरी चाकू और छह कारतूस बरामद

बीएनएम@डुमरियाघाट

जिले के केसरिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए बुधवार को दो अपराधियों को हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी सिसवा पटना स्थित एक पेट्रोल पंप से की गई है। यह अपराधी क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान रूपेश कुमार, निवासी सिसवा पटना तथा निशांत कुमार, हाजीपुर के निवासी के रूप में की गई है। पुलिस ने इनके पास से एक नाली बंदूक के साथ चार जिंदा कारतूस और दो देशी कट्टा के साथ दो जिंदा कारतूस एवं एक रामपुरी चाकू बरामद किया है। इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व चकिया डीएसपी संतोष कुमार कर रहे थे। छापेमारी दल में केसरिया अंचल इंस्पेक्टर निक्कू कुमार सिंह, केसरिया थानाध्यक्ष अनुज कुमार पांडेय, अपर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार, दारोगा इंद्रकांत कुमार, दारोगा मनोज ठाकुर, दारोगा मनीष कुमार मंडल सहित सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियारों के साथ उनकी किसी बड़ी आपराधिक साजिश को अंजाम देने की योजना तो नहीं थी। घटना के बाद इलाके में पुलिस की सतर्कता और गश्त बढ़ा दी गई।

मलाही बाजार में अवैध पैथोलॉजी पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी, संचालक ताला लगाकर फरार

बीएनएम@ अरेराज @उज्ज्वल मिश्रा

स्वास्थ्य व्यवस्था की शुचिता बनाए रखने और अवैध रूप से संचालित क्लीनिक व पैथोलॉजी केंद्रों पर नकेल कसने के उद्देश्य से अरेराज पीएचसी की टीम ने मलाही बाजार में बड़ी कार्रवाई की। स्थानीय लोगों से लगातार मिल रही गंभीर शिकायतों के बाद अरेराज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राहुल पाठक के नेतृत्व में एक विशेष मेडिकल टीम मलाही बाजार स्थित आशु जांच घर पैथोलॉजी सेंटर की जांच के लिए पहुंची। स्वास्थ्य विभाग की गाड़ी जैसे ही बाजार में पहुंची और टीम जांच केंद्र की ओर बढ़ी, पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। टीम की मौजूदगी देखते ही पैथोलॉजी सेंटर का संचालक केंद्र में ताला जड़कर मौके से फरार हो गया। काफी देर तक मेडिकल टीम वहां मौजूद रही, लेकिन संचालक के वापस नहीं लौटने के कारण जांच प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। जांच केंद्र का इस तरह अचानक बंद होना और संचालक का भाग जाना, वहां चल रही अनियमितताओं की ओर स्पष्ट संकेत करता है। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राहुल पाठक ने बताया कि उक्त पैथोलॉजी सेंटर की जांच प्रक्रिया और संचालन को लेकर लोगों ने गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई थीं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि आम जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी फर्जी या मानकविहीन जांच केंद्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले को गंभीरता से लेते हुए मेडिकल टीम ने पूरी घटना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। अब संबंधित संचालक के विरुद्ध सख्त विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस औचक छापेमारी के बाद मलाही बाजार क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित लैब और क्लीनिक संचालकों में हड़कंप और भय का माहौल बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मकर संक्रांति सामाजिक एकता भारतीय संस्कृति का प्रतीक - केन्द्रीय मंत्री

बीएनएम @ बगहा : बगहा के बड़गांव में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बुधवार को पारंपरिक दही-चूड़ा भोज का भव्य आयोजन किया गया। अमरेश्वर सिंह उर्फ

अमर बाबू के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की अनूठी झलक देखने को मिली। इस भोज में केंद्रीय मंत्री सतीश चन्द्र दूबे, बगहा विधायक राम सिंह, रामनगर विधायक नंदकिशोर राम और भाजपा जिलाध्यक्ष अचिंत्य कुमार लल्ला समेत कई दिग्गज जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की।केंद्रीय मंत्री ने मकर संक्रांति को भारतीय संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक बताते हुए क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। आयोजन में दीपू सिंह, मोनू सिंह और राकेश सिंह सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने पारंपरिक पकवानों का आनंद लेते हुए एक-दूसरे का अभिनंदन किया। ऐसे आयोजनों से न केवल आपसी मेलजोल बढ़ता है, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी जाता है। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा और कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

एमएलसी ने किया शहीद भगत सिंह टूर्नामेंट का उद्घाटन

बीएनएम @ बैरिया: बैरिया प्रखंड में शहीद भगत सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आगाज हुआ, जिसका उद्घाटन बिहार विधान परिषद के सदस्य

(MLC) अफाक अहमद ने फीता काटकर किया। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी कर्मजीत राम ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच बैरिया क्रिकेट क्लब और बेतिया की टीम के बीच खेला गया।मैच में बैरिया की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवरों में 211 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में बेतिया की टीम 120 रनों पर ही ढेर हो गई, जिससे बैरिया ने 91 रनों से शानदार जीत दर्ज की। एमएलसी अफाक अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण खेलों से ही छिपी हुई प्रतिभाएं निखरती हैं, जो आगे चलकर देश का नाम रोशन करती हैं। सरपंच महासंघ की अध्यक्ष रजिया तबस्सुम की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में क्रिकेट संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

औद्योगिक आपदा से बचाव के लिए जागरूकता रथ रवाना

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले में औद्योगिक आपदाओं से निपटने और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने एक प्रभावी पहल की है। आपदा प्रबंधन शाखा की प्रभारी पदाधिकारी नगमा तबस्सुम ने 'जन-जागरूकता रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में घूम-घूमकर लोगों को गैस रिसाव, भीषण अग्निकांड और रासायनिक दुर्घटनाओं जैसे जोखिमों से बचाव के प्रति जागरूक करेगा।इस अवसर पर प्रभारी पदाधिकारी ने जोर देकर कहा कि औद्योगिक विस्तार के साथ आपदा जोखिम भी बढ़े हैं, ऐसे में जन-जागरूकता ही बचाव का सबसे सशक्त माध्यम है। रथ के माध्यम से ऑडियो संदेशों और पोस्टरों द्वारा लोगों को आपदा के समय अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों, त्वरित प्रतिक्रिया और सरकारी सहायता तंत्र की जानकारी दी जाएगी। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को सजग बनाना है ताकि आपात स्थिति में जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सके। यह कदम जिले में आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

जीव दया फाउंडेशन ने 96 बच्चों को बांटे ड्रेस, बैग और जूते

बीएनएम @ बैरिया : बैरिया प्रखंड में सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश करते हुए जीव दया फाउंडेशन ने 6 माह से 5 वर्ष तक के 96 बच्चों के बीच शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी

राहत सामग्री का वितरण किया। यह कार्यक्रम मलाही बलुआ पंचायत के सिरसिया मठिया और बगही रतनपुर के नेटुआ टोली में आयोजित किया गया। बच्चों को ड्रेस, जूते-मोजे, स्कूली बैग, ग्लास और तिरपाल जैसी आवश्यक वस्तुएं भेंट की गईं।नारी जीर्णोद्धार एवं चेतना संस्थान की सचिव बिंदा देवी और प्रोजेक्ट मैनेजर धनंजय कुमार शर्मा ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा बच्चों के पोषण का भी खास ख्याल रखा जा रहा है, जिसके तहत उन्हें प्रतिदिन 150 ग्राम दूध और दो पारले-जी बिस्कुट दिए जाते हैं। इस पहल का उद्देश्य वंचित समाज के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। बिंदा देवी ने फाउंडेशन की टीम और पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों के लिए अत्यंत मददगार बताया।

पंचांग के अनुसार मकर संक्रांति आज, षट्तिला एकादशी के कारण तिथि को लेकर दिखी मतभिन्नता

बीएनएम @ सुगौली। प्रखंड क्षेत्र में मकर संक्रांति एवं षट्तिला एकादशी का पर्व बुधवार को श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हालांकि क्षेत्र के कुछ हिस्सों में बुधवार को मकर संक्रांति मनाई गई, जबकि अधिकांश स्थानों पर यह पर्व गुरुवार को मनाया जाएगा। पंचांगों का हवाला देते हुए पंडित सुबोध तिवारी ने बताया कि सूर्य 14 जनवरी की रात्रि 9 बजकर 39 मिनट पर धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही संक्रांति का पुण्यकाल गुरुवार दोपहर के बाद तक रहेगा। इस कारण शास्त्र सम्मत रूप से मकर संक्रांति पर्व का आयोजन गुरुवार को करना अधिक उचित माना गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को षट्तिला एकादशी की तिथि होने के कारण श्रुतियों के अनुसार इस दिन चावल से बने भोजन, विशेषकर खिचड़ी का सेवन वर्जित है। इसी वजह से कई स्थानों पर मकर संक्रांति पर्व को लेकर मतभेद की स्थिति बनी रही और लोगों ने गुरुवार को पर्व मनाने का निर्णय लिया। उल्लेखनीय है कि मकर संक्रांति के अवसर पर दान-पुण्य, स्नान और पूजा-पाठ का विशेष महत्व है, जिसे लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

जहां चमत्कार से जुड़ी है आस्था : नरसिंह बाबा मंदिर में 17 जनवरी को महाभंडारा

- आस्था, चमत्कार और श्रद्धा का संगम है यह स्थल, लाखों श्रद्धालुओं का भरोसा और विश्वास का केंद्र
- पूर्वी चम्पारण, गोपालगंज, छपरा, सिवान, मुजफ्फरपुर आदि जिलों से पहुंचते है श्रद्धालु

बीएनएम @ डुमरियाघाट

पूर्वी चम्पारण जिले के दक्षिणी छोर पर गोपालगंज बॉर्डर स्थित नेशनल हाइवे 27 किनारे और पवित्र गंडक (नारायणी) तट स्थित डुमरियाघाट पुल के समीप नरसिंह बाबा के मंदिर परिसर में आगामी 17 जनवरी को होने वाले बाबा के भंडारा को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। श्रद्धालुओं द्वारा चंदा एकत्रित कर मंदिर के रंग, रोगन और सौंदर्यीकरण और मिट्टी भराई का कार्य किया जा रहा है। बता दें कि यहां वर्षों से नरसिंह बाबा के समाधि दिवस यानी देहावसान की तिथि 17 जनवरी को उनके भक्तों द्वारा हर वर्ष विशाल भंडारा का आयोजन कराया जाता है। जहां जिले के कोने कोने और पड़ोस के कई जिलों से श्रद्धालु भक्त भंडारा में शामिल होने, प्रसाद ग्रहण करने और बाबा के पूजन करने के लिए पहुंचते है। ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे दिल से बाबा को याद कर मन्नत मांगते है। बाबा उनकी मनोकामना अवश्य पूरी करते है। यही कारण है कि नरसिंह बाबा के दर्शन पूजन के लिए भंडारा के दिन लाखों की संख्या में भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। यह वर्षों से श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बना हुआ है। यही कारण है कि दूर-दराज से श्रद्धालु बाबा के दरबार में शीश नवाने पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार नरसिंह बाबा एक अघोरी संत थे, जिन्होंने इस क्षेत्र में साधना कर मानव सेवा और धर्म के मार्ग का संदेश दिया। वह जिसको जो इच्छा होती वह पूरा कर दिया करते थे। बाबा के चमत्कार के गुणों की आज भी यहां के लोग चर्चा करते नहीं थकते है। बाबा की समाधि स्थल पर हर दिन श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। बाबा को प्रसाद के रूप में मांस, मदिरा, (फुटहा भूंजा हुआ चना) खीर, पूरी आदि प्रसाद के रूप में चढ़ता है। मन्नत पूरा होने पर श्रद्धालु यहां भजन, कीर्तन, अष्टयाम आदि का आयोजन करते है। ग्रामीणों का कहना है कि बाबा के दरबार में आने से मानसिक शांति के साथ-साथ रोग, संकट और पारिवारिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। कई श्रद्धालु अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि बाबा की कृपा से वर्षों पुरानी समस्याएं दूर हुईं। नरसिंह बाबा धाम न सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान भी बन चुका है। धार्मिक अवसरों, विशेष पूजा और मेलों के दौरान यहां का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो जाता है। हालांकि, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बावजूद धाम के आसपास बुनियादी सुविधाओं का अभाव साफ नजर आता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, सड़क, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करने की मांग की है। हालांकि स्थानीय विधायक शालिनी मिश्रा और अन्य श्रद्धालु भक्तों द्वारा बाबा के मंदिर का काफी विकास कराया है। नरसिंह बाबा धाम आज भी लोगों की आस्था का मजबूत स्तंभ बना हुआ है, जहां श्रद्धा, विश्वास और भक्ति की त्रिवेणी निरंतर प्रवाहित हो रही है।

ईडी और आयकर की कार्रवाई से भारत-नेपाल सीमा पर व्यापारिक हड़कंप

रक्सौल के 14 ठिकानों पर सुरक्षा बलों का पहरा, रडार पर चार्टर्ड अकाउंटेंट

बीएनएम @ पटना/रक्सौल

शोरूम से लेकर होटलों तक छापेमारी

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित प्रमुख व्यापारिक केंद्र रक्सौल में आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय (ED) की संयुक्त छापेमारी ने पूरे कारोबारी जगत में हड़कंप मचा दिया है। सोमवार से लगातार तीसरे दिन जारी इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने एक साथ 14 ठिकानों पर धावा बोला, जिससे रक्सौल का व्यापारिक जीवन पूरी तरह थम गया है। जांच का दायरा केवल शोरूम और आवासों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बैंक रोड की जगमाल गली, मुख्य पथ के आवासीय होटल और कई नए ठिकानों को भी चपेट में लिया गया है। इस कार्रवाई का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) के कार्यालयों पर दबिश देना रहा, जिसके डर से शहर के कई सीए कार्यालयों में ताले लटक गए।सूत्रों के अनुसार, शुरुआती जांच में मिले वित्तीय अनियमितताओं और संदिग्ध निवेश के सुरागों के आधार पर ही इस अभियान को इतना व्यापक बनाया गया है। सुरक्षा की गंभीरता को देखते हुए एसएसबी (SSB) के जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई है, ताकि जांच टीमों को सुरक्षा घेरा मिल सके। सीमावर्ती शहर रक्सौल में इतनी लंबी और समन्वित छापेमारी पहले कभी नहीं देखी गई, जिसके कारण स्थानीय बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है। कई बड़े व्यापारिक घरानों पर हो रही इस कार्रवाई ने छोटे कारोबारियों के बीच भी अनिश्चितता और भय का माहौल पैदा कर दिया है। फिलहाल, दस्तावेजों की गहन छानबीन जारी है और यह स्पष्ट है कि एजेंसियां किसी भी बड़े वित्तीय घोटाले की तह तक जाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

पदुमकेर पंचायत में आवास योजना प्लस वेरिफिकेशन पर सख्ती, पैसे लेने पर कार्रवाई की चेतावनी

बीएनएम @ पताही

प्रखंड क्षेत्र के पदुमकेर पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना (प्लस) के वेरिफिकेशन को लेकर मुखिया प्रतिनिधि सरोज सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि वेरिफिकेशन के नाम पर यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा एक भी रुपये की मांग की गई या लिया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरोज सिंह ने बताया कि आवास योजना प्लस का वेरिफिकेशन केवल अधिकृत आवास सहायक द्वारा ही किया जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता है और यह पूरी तरह निशुल्क है। उन्होंने पंचायतवासियों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति वेरिफिकेशन के नाम पर पैसे की मांग करता है, तो इसकी सूचना तत्काल पंचायत कार्यालय को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजना का लाभ वास्तविक और पात्र लाभुकों तक पहुंचे। इसके लिए पारदर्शिता और ईमानदारी बेहद जरूरी है। पंचायत स्तर पर किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बॉर्डर पर फर्जी आधार बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

एटीएस ने खंगाले संदिग्ध दस्तावेज

बीएनएम @ पटना/किशनगंज

भारत-नेपाल और भारत-बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से सटे बिहार के किशनगंज जिले में पहचान से जुड़ी एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (UP ATS) की हालिया कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहा आईडी फ्रॉड अब केवल स्थानीय अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के मुंशीभीट्टा गांव से गिरफ्तार अरमान नामक युवक एक ऐसे गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है, जो अवैध रूप से आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र तैयार करता था। उसकी दुकान से लैपटॉप, थंब स्कैनर और प्रिंटर जैसे उपकरण बरामद किए गए हैं, जिनका उपयोग डिजिटल पहचान के फर्जीवाड़े में किया जा रहा था।सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चिंता किशनगंज की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति है। यह इलाका लंबे समय से अवैध घुसपैठ और संदिग्ध आवाजाही के लिए चर्चा में रहा है। हाल के दिनों में गलगलिया और जियापोखर जैसे क्षेत्रों में भी फर्जी आधार से जुड़े मामले सामने आए हैं, जिनके तार बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े होने की आशंका जताई गई है। एटीएस सूत्रों के अनुसार, आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर उत्तर प्रदेश ले जाया गया है ताकि इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुँचा जा सके। आशंका है कि इन फर्जी दस्तावेजों का उपयोग देश के भीतर पहचान छिपाने या किसी संगठित अपराध के लिए किया जा सकता है। फिलहाल, बरामद डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच जारी है और एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के पीछे कोई आतंकी मंशा तो नहीं छिपी है।

परिवार के 'संकट' पर भारी पड़ा लालू का आशीर्वाद, सियासी मकर संक्रांति

बीएनएम @ पटना

बिहार की राजनीति में इस वर्ष मकर संक्रांति का पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर 'पावर सेंटर' और नए सियासी समीकरणों के प्रदर्शन का मंच बन गया। पटना में आयोजित दही-चूड़ा भोज ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है, जिसमें सबसे अधिक चर्चा तेज प्रताप यादव के आवास की रही। 26 एम स्ट्रैंड रोड पर आयोजित इस भोज में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव खुद पहुंचे, जिससे उन अटकलों पर विराम लग गया कि वे अपने बड़े बेटे से नाराज हैं। लालू यादव ने न केवल तेज प्रताप को आशीर्वाद दिया, बल्कि उनके भाजपा में जाने की चर्चाओं के बीच पिता-पुत्र की इस मुलाकात ने विरोधियों को भी कड़ा संदेश दिया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और विधायक चेतन आनंद की मौजूदगी ने इसे और भी प्रभावशाली बना दिया।दूसरी ओर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस बार लीक से हटकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने मंत्री रत्नेश सदा के आवास पर दही-चूड़ा खाकर अपनी 'दलित राजनीति' के एजेंडे को स्पष्ट किया, जबकि वर्षों तक राजनीतिक हलचल का केंद्र रहने वाले राबड़ी आवास पर इस बार सन्नाटा पसरा रहा। एनडीए खेमे में भी काफी सक्रियता दिखी, जहां भाजपा कार्यालय में सम्राट चौधरी और दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया, वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के आवास पर एनडीए के दिग्गजों का जुटान गठबंधन की मजबूती को दर्शाता नजर आया। कुल मिलाकर, इस बार की 'दही-चूड़ा डिप्लोमेसी' ने स्पष्ट कर दिया कि बिहार में नए शक्ति केंद्र उभर रहे हैं और तेज प्रताप यादव अपनी एक स्वतंत्र पहचान बनाने में सफल रहे हैं।

सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा और गश्त होगी सख्त : एसपी

- एसपी रामानंद कौशल ने संभाला पदभार

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिला के नए पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में रामानंद कौशल ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने मुख्यालय डीएसपी दयानंद शर्मा से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण के दौरान पुलिस लाइन में उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया और जिले के वरीय पुलिस अधिकारियों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। यह बदलाव बिहार सरकार के गृह विभाग द्वारा 9 जनवरी को किए गए बड़े स्तर के प्रशासनिक तबादलों के तहत हुआ है।पदभार संभालते ही एसपी रामानंद कौशल ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। उन्होंने कहा कि जिले में विधि व्यवस्था बनाए रखना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सीमावर्ती जिले की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने गश्त बढ़ाने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। एसपी ने पुलिसिंग को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर देते हुए अधिकारियों को संवेदनशील व्यवहार अपनाने को कहा। वहीं, निवर्तमान एसपी सुशांत कुमार सरोज के कार्यकाल की भी सराहना की गई। अब जिले को नए नेतृत्व से अपराध मुक्त और सुदृढ़ कानून व्यवस्था की उम्मीद है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के आवास में लगी आग

बीएनएम @ पटना/नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के अति-सुरक्षित लुटियंस ज़ोन में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के सरकारी आवास में आग लग गई। मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड स्थित कोठी नंबर दो के एक कमरे में सुबह करीब 8 बजे अचानक बिस्तर में आग भड़क उठी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुँचीं और आधे घंटे के भीतर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और आग को एक ही कमरे तक सीमित रखा गया। सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील इलाका होने के कारण दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां भी तुरंत सक्रिय हो गईं। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है, हालांकि दमकल विभाग और पुलिस मामले की गहन पड़ताल कर रहे हैं।

जब्त स्कॉर्पियो की अवैध नीलामी में डीएसपी और थानेदार समेत 4 पर प्राथमिकी

मुजफ्फरपुर में खाकी पर दाग

बीएनएम @ पटना/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले में जब्त वाहन की अवैध नीलामी के एक सनसनीखेज मामले में आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने पटना हाईकोर्ट के कड़े निर्देश पर चार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में तत्कालीन उत्पाद अधीक्षक, एक डीएसपी, सकरा थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष और एक दारोगा को आरोपी बनाया गया है। मामला वर्ष 2020 का है, जब सकरा पुलिस ने मुशहरी निवासी सुशील कुमार सिंह की स्कॉर्पियो को शराब बरामदगी के आरोप में जब्त किया था।पीड़ित को न्यायालय से राहत मिलने के बाद जब विशेष न्यायालय ने वाहन छोड़ने का आदेश दिया, तो पुलिस अधिकारियों ने इसकी अनदेखी की। हद तो तब हो गई जब कोर्ट को सूचित किया गया कि मार्च 2023 में ही वाहन को गुपचुप तरीके से नीलाम कर दिया गया है। जब उत्पाद विभाग की अपील और रिवीजन याचिकाएं खारिज हो गईं, तो पीड़ित ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने न्यायालय के आदेश की अवहेलना और अवैध नीलामी को गंभीर अपराध मानते हुए ईओयू को जांच सौंपी। अब ईओयू ने इन अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

अर्थव्यवस्था की मुश्किलें

प्रधानमंत्री के साथ अर्थशास्त्रियों की बजट पूर्व बैठक में अर्थव्यवस्था की मुश्किलें खुल कर सामने आईं। अर्थशास्त्रियों ने ब्याज चुकाने की बढ़ी देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश से आई दिक्कतों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री के साथ बजट पूर्व बैठक में उपस्थित अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था में पैदा हुई मुश्किलों का उल्लेख किया। उन्होंने ब्याज (और ऋण का मूलधन भी) चुकाने की बढ़ती देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश के कारण निजी निवेश के सामने आई दिक्कतों का जिक्र किया। कहा कि पूंजीगत निवेश के लिए सरकार अधिक ऋण लेती है, तो निजी निवेशकों के लिए कर्ज महंगा हो जाता है। यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। इस क्रम में सरकार पर कर्ज संबंधी देनदारी बढ़ती है। हाल यह है कि केंद्रीय बजट का एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा ऋण एवं ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा है। बहरहाल, अर्थशास्त्रियों की बात मान कर सरकार पूंजीगत निवेश घटा दे, तो मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर को बनाए रखना फिलहाल कठिन हो जाएगा। निजी निवेश सिर्फ इसलिए नहीं कमजोर पड़ा है कि ऋण महंगा है। बल्कि बाजार में मांग ना होने के कारण निजी क्षेत्र अपनी मौजूदा क्षमता का भी उपयोग नहीं कर पा रहा, तो वह नया निवेश कहां करेगा? खुद अर्थशास्त्रियों ने उल्लेख किया कि घरेलू बचत गिरते हुए जीडीपी के लगभग सात प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। उन्होंने इसकी चर्चा विदेशी पूंजी निवेश को लेकर बढ़े अनिश्चय के संदर्भ में की। कहा कि इस बीच घरेलू बचत में इतना घट गया है कि वह चालू खाते के दो फीसदी घाटे को पाटने में भी सक्षम नहीं है। मगर घरेलू बचत गिरने का एक दूसरा पहलू भी है। यह संकेत है कि आम परिवारों का बजट दबाव में है। ऐसे में उपभोग एवं मांग में कैसे बढ़ोतरी होगी? यह नहीं हुआ, तो निजी निवेश की स्थितियां कैसे बनेंगी? तो कुल संकेत यह है कि अर्थव्यवस्था एक दुश्चक्र में फंस गई है। इसके बीच सरकार के लिए के लिए पूंजी निवेश घटाना एक जोखिम भरा कदम होगा। सामान्य स्थितियों में अर्थशास्त्रियों की ऋण एवं राजकोषीय घाटे के बीच संतुलन बनाने की सलाह उचित मानी जाती, मगर सवाल है कि मौजूदा हाल में क्या इस पर अमल करना व्यावहारिक होगा? वैसे सरकार ने इस चर्चा से क्या ग्रहण किया, यह तो अगले बजट से ही पता चलेगा।

नहीं थम रहा बंगलादेश में हिन्दुओं की हत्या का दौर

रमेश शर्मा

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमलों और उनकी बर्बर हत्याओं का दौर रुक नहीं रहा। इसमें हिन्दु स्त्रियों के साथ सामूहिक बलात्कार का अध्याय भी जुड़ गया है। लेकिन भारत के अधिकांश वे राजनैतिक दल चुप हैं जिन्हें आतंकवादियों के भी मानवाधिकार की चिंता रहती है। पिछले सप्ताह काँग्रेस नेता जयराम रमेश और के वेणुगोपाल तो मीडिया से बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या का प्रश्न सुनकर ही भाग निकले। यह वही बंगलादेश है जिसके निवासियों को कभी अपनी बांग्ला संस्कृति पर गर्व होता था और बांग्ला संस्कृति की सुरक्षित रखने केलिये संघर्ष किया था। उनके संघर्ष को सार्थक करने के लिये भारत ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी थी। 1971 का युद्ध भी झेला था। इसमें भारत के लगभग 3900 जवानों का बलिदान हुआ था और लगभग दस हजार सैनिक घायल हुए थे। लाखों करोड़ का वित्तीय भार पड़ा सो अलग। बंगलादेश यदि अस्तित्व में आया है तो भारत के कारण लेकिनवही बंगलादेश अब भारत के विरुद्ध षड्यंत्र रच रहा है और हिन्दुओं का जीना मुश्किल कर रहा है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन को डेढ़ साल होने आ गया है। सत्ता परिवर्तन के साथ हिन्दुओं पर हमले आरंभ हुये जो रुकने का नाम नहीं ले रहे बल्कि हमलों की क्रूरता बढ़ रही है। बांग्लादेश अब जिस राह पर है, उसमें तीन बातें बहुत स्पष्ट हैं। एक पाकिस्तान के प्रति प्रेम और एकजुटता, दूसरी भारत के प्रति घृणा और तीसरी हिन्दुओं की हत्याएँ। तीनों प्राथमिकताएँ पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई और कट्टरपंथी संगठन जमायत-ए- इस्लामी की हैं। जमायत-ए-इस्लामी अपनी कट्टरता के लिये पूरी दुनिया में कुख्यात है। कई देशों ने तो इस पर प्रतिबंध लगा रखा है। जबकि पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई को आतंकवाद की संरक्षक माना जाता है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता परिवर्तन इन दोनों संस्थाओं की रणनीति थी। कहने के लिये यह छात्र आँदोलन था लेकिन परदे के पीछे यही दोनों संगठन थे। अब बंगलादेश में आईएसआई का कार्यालय खुल गया है। जमायत-ए-इस्लामी खुलकर चुनाव में भाग ले रही है। यह जमायत-ए- इस्लामी वही संस्था है जिसने 1971 में शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व चल रहे बांग्लादेश आंदोलन का विरोध किया था। जमायत-ए-इस्लामी पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बनाने के पक्ष में कतई नहीं थी। यह आईएसआई और जमायत-ए-इस्लामी की सक्रियता ही है कि अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच आने-जाने के लिये वीजा के कई प्रावधान सरल कर दिये गये हैं। बांग्लादेश में अब भारत को खुलेआम धमकियाँ भी दी जाने लगीं हैं। बांग्लादेश नेशनल सिटीजन पार्टी के प्रमुख हसनत अब्दुल्लाह ने तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों जिन्हें "सेवन सिस्टर्स" कहा जाता है, को भारत से तोड़ने की धमकी भी दी है। इन राज्यों में अरुणांचल प्रदेश, मिजोरम, असम, मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड और त्रिपुरा माने जाते हैं। बांग्लादेश के एक अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी अब्दुल रहमान ने भी भारत के टुकड़े करने की धमकी दी है। इन धमकियों को साधारण नहीं समझा जा सकता। जिस प्रकार कट्टरपंथियों के "स्लिपर सेल" भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने का षड्यंत्र रच रहे हैं उससे हसनत अब्दुल्लाह और अब्दुल रहमान की धमकियों को हल्का नहीं लिया जा सकता। तीसरे, बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले और हत्याओं के बढ़ते आँकड़े हैं। हमलों और हत्याओं के आँकड़े बढ़ने के साथ उनमें क्रूरता भी बढ़ रही है। हिन्दुओं पर हमले और हत्याओं का यह क्रम सत्ता परिवर्तन के पहले दिन से ही आरंभ हो गया था। बांग्लादेश में ऐसा कोई गाँव नहीं जहाँ हिन्दुओं के घरों पर हमला न हुआ हो। बांग्लादेश सरकार ने अब ऐसे समाचारों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। समाचार पत्र ही नहीं वे सोशल मीडिया एकाउंट भी लॉक किये जा रहे हैं जो हिन्दुओं पर हमले और उत्पीड़न के समाचार प्रसारित कर रहे हैं। फिर भी चोरी-छिपे जो समाचार आ रहे हैं वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं। हिन्दुओं पर अत्याचार के लिये कट्टरपंथी नित नया पैंतरा अपना रहे हैं। सत्ता परिवर्तन के साथ घरों और मंदिरों पर हमले, चाकू या गोली मारकर हत्या का क्रम अब क्रूरता के साथ हत्या और जिन्दा जलाने की घटनाओं में बदल गया है। यह क्रूरता लगभग वैसी ही है जैसी सल्तनतकाल में हुआ करती थी। तब उसका उद्देश्य क्रूरता से हत्या करके हिन्दुओं को डराना था ताकि क्रूरता पूर्वक हत्याओं का यह दृश्य देखकर भयभीत हिन्दु धर्मांतरण कर लें। पिछले चौबीस दिनों में आठ हिन्दुओं की क्रूरता पूर्वक की गई हत्याओं में बर्बरता की वही झलक है। इन हत्याओं के अतिरिक्त एक हिन्दू स्त्री से बलात्कार और एक हिन्दू महिला अधिकारी को गालियाँ देकर जान से मारने की धमकी देने की घटना भी सामने आई है। इन बड़ी घटनाओं के अतिरिक्त बारह गाँवों में हिन्दुओं के घरों पर हमला करने के समाचार भी आये। हत्याओं और हिन्दुओं के उत्पीड़न का यह नया दौर कट्टरपंथी उस्मान हादी की मौत के बाद पुनः आरंभ हुआ। उस्मान हादी पर 12 दिसंबर 2025 को दो बाइक सवार हमलावरों ने ढाका के बिजयनगर क्षेत्र में किया था। उसे गोली मारी गई थी। उसे उपचार के लिये सिंगापुर ले जाया गया। जहाँ 18 दिसम्बर को उसकी मौत हो गई। हादी की मौत से हिन्दुओं का कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन उसकी मौत को बहाना बनाकर हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हिन्दुओं के घर, व्यवसायिक प्रतिष्ठान ही नहीं हिन्दुओं के संपादन में चल रहे समाचारपत्र कार्यालयों और साँस्कृतिक संस्थानों पर भी हमले हुये। इनमें ''प्रोथोम आलो''और ''डेली स्टार'' समाचार पत्र और "छायानात" और "उदिची शिल्पी" जैसे साँस्कृतिक संस्थाओं के कार्यालय शामिल हैं। जिस दिन हादी की मौत हुई उसी दिन 18 दिसम्बर को दीपू चंद्र दास नामक हिन्दु की क्रूरतापूर्वक हत्या की गई। दीपूदास की हत्या सीधे चाकू मारकर अथवा गोली मारकर नहीं की गई। पहले सारे कपड़े उतारे गये, फिर पीटा गया। अधमरा करके पेड़ से बांधकर जिन्दा जलाया था। कट्टरपंथियों ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया ताकि हिन्दुओं में भय व्याप्त हो। दूसरी हत्या 24 दिसंबर की रात को राजबाड़ी जिले के पांगशा में अमृत मंडल की गई। उस पर ईशनिंदा का आरोप लगाया और हिंसक भीड़ ने पीट-पीट कर अधमरा कर दिया था। पुलिस अमृत मंडल को गंभीर अवस्था में पंगसा उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले गई। रात करीब 2 बजे मंडल का निधन हो गया। तीसरी हत्या 30 दिसंबर को ब्रजेन्द्र विश्वास की हुई। ब्रजेन्द्र को उसी स्थान पर ले जाया गया जहाँ दीपू दास की हत्या की गई थी। बृजेंद्र बिस्वास को गोली मारकर हत्या करने वाला उसी का साथी नौमान मियां था। चौथी हत्या 31 दिसम्बर को हिंदू बिजनेसमैन खोकन चंद्र दास की हुई। यह हत्या शरियतपुर जिले के दामुड्या के कोनेश्वर यूनियन में केउरभंगा बाजार के पास हुई थी। वह रात लगभग 9:30 बजे अपनी फार्मेसी की दुकान बंद करके लौट रहा था तभी कट्टरपंथियों ने उसे रोका। पहले मारपीट की फिर शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। खोकन दास स्वयं को बचाने के लिये वहीं सड़क के किनारे तालाब में कूदा। आग देखकर और चीखें सुनकर भीड़ एकत्र हुई। दास को अस्पताल ले जाया गया जहाँ दास की मृत्यु हो गई। पाँचवीं हत्या पत्रकार राणा प्रताप वैरागी की हुई। यह हत्या जेस्सोर जिले के मोनिरामपुर में सोमवार 5 जनवरी को की गई। कट्टरपंथियों ने राणा प्रताप को आवाज लगाकर रोका और भरी दोपहर सरेआम गोली मार दी। छठी हत्या इसी दिन व्यवसायी मणि चक्रवर्ती की हुई। वे मणि चक्रवर्ती से पैसा वसूलना चाहते थे। इसी बीच 11 जनवरी को हिन्दू नेता और संगीतकार प्रोलय चाकी की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई है। वे बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी के सीनियर नेता थे। आठवीं मौत समीर की हुई। समीर रामानंदपुर गांव का रहने वाला था और रिक्शा चलाता था। रात लगभग दो बजे दक्षिण करीमपुर मुहुरी बाड़ी के पास समीर की लहूलुहान लाश मिली। बांग्लादेश में हिन्दुओं के दमन को रोज नया तरीका अपनाया जा रहा है। एक हिन्दू महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और एक हिन्दू महिला अधिकारी को धमकी देने की घटना सामने है। हिंदू महिला के साथ बलात्कार की यह घटना झेनैदाह जिले के कालिगंज में नादिपारा क्षेत्र की है। चालीस वर्षीय हिंदू विधवा महिला के साथ पहले दो लोगों ने बीच सड़क पर बलात्कार किया, फिर पेड़ से बांधकर उसके बाल काट दिए। कट्टरपंथियों ने इस घटना का भी वीडियो बनाकर वायरल किया। बांग्लादेश के कट्टरपंथी प्रशासन के हिन्दू कर्मचारियों और अधिकारियों को भी धमका रहे हैं। बांग्लादेश में इन दिनों चुनाव प्रक्रिया चल रही है। फरवरी में चुनाव होना है। कुरिग्राम-3 निर्वाचन क्षेत्र से जमायते इस्लामी के उम्मीदवार बैरिस्टर सालेही ने चुनाव लड़ने के लिये अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया।

'भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

ललित गर्ग

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था। मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है। इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं। राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी।

मेष राशिः आज आपका भाग्य पूरे दिन आपके साथ रहने वाला है। आज सभी कार्य समय से पूरे हो जायेंगे। आज आपके मन में किसी बात को लेकर उलझन बनी रहेगी, लेकिन किसी के साथ बातें शेयर करने से सब ठीक हो जायेगा। आज आप अपने बिजनेस के लिए नई योजनाएं बनायेंगे। सामाजिक कार्यों के लिए आज आपको किसी समारोह में सम्मानित किया जायेगा।

वृष राशिःआज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। साथ ही घर पर धार्मिक कार्यक्रम करने का मन बनायेंगे। आज लोगों को प्रसन्न करने के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। घर परिवार में खुशियों का आगमन होगा। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज फ़ोन पर किसी रिश्तेदार से अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। आज आपके कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। राजनीति में आप सक्रीय भूमिका निभाएंगें, जिससे लोग आपकी तारीफ करेंगे। आज यात्रा कुछ ज्यादा होने की वजह से थकान महसूस करेंगे। पेंटिंग करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आपकी कला की तारीफ होगी। इंजीनियरिंग के छात्रों को आज किसी अच्छी कंपनी से जॉब के लिए ऑफर आयेगा। आज बच्चों के जरुरत का सामान खरीदेंगे, जिससे बच्चे आपसे खुश होंगे।दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशिःआज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। सोशल मिडिया पर आज आपके नए-नए दोस्त बनेंगे। आज जीवनसाथी के साथ घरेलू चीजों को खरीदने का प्लान बनायेंगे। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। व्यापार के लिए आज आप किसी बड़े ग्रुप से डील करने में कामयाब होंगे।

सिंह राशिः आज आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़ी हुए ऊर्जा के साथ आप काम करेगें तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अन्दरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। आज आपके व्यवहार को लेकर पड़ोसी आपकी तारीफ करेंगे।

कन्या राशिः आज आप धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। आज किसी कार्य को पूरा करने के लिए परिवार वालों से राय ले सकते है। घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। लवमेट के साथ कही घूमने जायेंगे, रिश्ते में और मिठास आयेगा। आज आपके व्यापार में दो-गुना वृद्धि होने के योग बने हुये है।

तुला राशिःआज का दिन अच्छा रहने वाला है। दोस्तों से किसी रुके हुए कार्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़ी समस्या का समाधान निकलेगा। व्यापार में अच्छा मुनाफा होने की वजह से आज आप पूरे दिन प्रसन्न रहेंगे। ऑफिस में किसी जरूरी काम को पूरा करने के लिये आज पिछली कम्पनी का अनुभव आपके काम आयेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके साथ काम करने का प्रपोजल आयेगा। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा, थोड़ी और मेहनत करने से सफलता जल्द ही कदम चूमेगी। आज नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले अनुभवी लोगों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आज किसी भी बात पर गुस्सा करने से बचें। आज पॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है।सामाजिक कार्यों को लेकर आपके आस-पास के लोग आपकी तारीफ करेंगे। लवमेट के साथ आज समय बिताने का प्लान बनायेंगे, यह प्लान आपके रिश्ते को और मजबूत करने में सहायक रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज नौकरी में बदलाव करने का मन बनायेंगे। जॉब की तलाश कर रहे लोगों के लिए जॉब के अच्छे अवसर सामने आएंगे। आप अपने रूटीन में साकारात्मक बदलाव करेंगे तो निश्चित तौर पर आपके रूप-रंग को आकर्षित बनाएगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। माता-पिता का आर्शीवाद आपको मंजिल तर पहुंचाने में मदद करेगा। आज लोगों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। आर्थिक पक्ष पहले से काफी बढ़िया रहेगा। व्यापारियों के लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

मीन राशिःआज का दिन अनुकूल रहेगा। आज नए दोस्त बनाने से पहले उनके बारे में पूरी जानकारी कर लें, तभी दोस्ती का हाथ बढ़ाये। इस राशि के आविवाहित लोगों के विवाह की बात होगी। आज घरेलू उपयोग का सामान खरीदने मार्केट जायेंगे। आज किसी अन्य पर भरोसा न करें। बिजनेस में साझेदारी सोच-समझ कर ही करें साथ ही नयी योजनाओं को लागू करने से लाभ होगा। आज संतान के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

अयोध्या श्री राम मंदिरः वैश्विक शांति और समृद्धि की नींव

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

22 जनवरी, 2024 को दुनिया भर के लाखों लोगों ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया, जिसने भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण की शुरुआत की। श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या सिर्फ एक शहर से कहीं ज़्यादा है; यह एक कालातीत, आध्यात्मिक गूंज है। यह श्री राम के धर्म, सत्य, बलिदान और आदर्श जीवन के प्रतीक का प्रतिनिधित्व करता है। अयोध्या भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, शाश्वत भक्ति और भारत को "विश्वगुरु" बनाने के लिए दुनिया में शांति लाने के मार्ग के रूप में एक प्रकाश स्तंभ की तरह खड़ा है, जबकि हाल ही में निर्मित राम मंदिर आध्यात्मिक चमक से जगमगा रहा है। श्री राम मंदिर हिंदू दर्शन और संस्कृति की भव्यता को दर्शाता है। इसका विस्तृत डिज़ाइन, जो प्राचीन भारत की कलात्मक और स्थापत्य प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करता है, पारंपरिक भारतीय कौशल, ज्ञान और कारीगरी को प्रदर्शित करता है। अपनी शानदार वास्तुकला से परे, यह मंदिर हिंदू और वैश्विक संस्कृति में एक एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करने के लिए भाषाई और भौगोलिक बाधाओं को पार करता है। यह दुनिया भर में हिंदू प्रवासियों के लिए उनकी वंशावली की याद दिलाता है और सांस्कृतिक गौरव का स्रोत है। दिन-ब-दिन अधिक तंत्रज्ञान से जुड़े हुए दुनिया में, यह एकता को बढ़ावा देता है और हिंदू धर्म के कालातीत सिद्धांतों को बनाए रखता है। श्री राम की छवि अयोध्या या भारत तक सीमित नहीं है। उनकी आभा वास्तव में पूरी दुनिया में महसूस की जाती है। वह पूरी मानवता के प्रतीक हैं। हिंदू धर्म के संदर्भ में, राम मंदिर का निर्माण लाखों लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। एक भौतिक इमारत होने के अलावा भगवान राम को समर्पित यह मंदिर आध्यात्मिक पुनर्जन्म, सांस्कृतिक संरक्षण और उन सिद्धांतों का प्रतीक है जो दुनिया भर में हिंदुओं और मानवता में विश्वास रखने वालों के दिलों में गहराई से अंकित हैं। राम मंदिर की कहानी हिंदू धर्म के लोकाचार के साथ एक गहरा संबंध बनाती है, जो एक पवित्र स्थान पर ईश्वर की वापसी की साझा इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है। हिंदुओं के लिए, राम मंदिर उनकी प्राचीन विरासत की एक भौतिक याद दिलाता है और संस्कृति की शाश्वत जीवन शक्ति का प्रतीक है। नतीजतन, यह मंदिर हमारे समाज के मूलभूत सिद्धांतों और राम के उन गुणों दोनों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें सभी लोग प्रशंसनीय पाते हैं। इस 7वें या वैवस्वत मन्वंतर में 28वें द्वापर के खत्म होने और कलियुग की शुरुआत को पांचवीं सहस्राब्दी ईसा पूर्व में भगवान कृष्ण की मृत्यु के बाद रामराज्य की प्रतीकात्मक स्थापना से चिह्नित किया गया था। "राम" शब्द सिर्फ़ एक प्राचीन सभ्यता से कहीं ज़्यादा है जो आज तक मौजूद है, यानी भारत। यह नाम एक पहचान और एक मूल्य का प्रतीक है जो व्यवहार और जीवंतता में सभी ऐतिहासिक युगों से परे है। भारत के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के साथ-साथ देश के पश्चिम और पूर्व के लोककथाएँ लोगों के दिलों में ज़िंदा हैं। "राम" एक ऐसा नाम है जिसकी भारत के हर कोने में बच्चे छोटी उम्र से ही गुणगान करते हैं। उनकी पौराणिक जीवन कहानियाँ भारत की सीमाओं से परे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैल गई हैं, जहाँ रामायण को आज भी थिएटर, संगीत, नृत्य, चित्रकला और मूर्तिकला में रचनात्मक रूप से दिखाया जाता है। संस्कृत में वाल्मीकि रामायण, हिंदी में तुलसीदास की रामचरितमानस, तमिल में कंबन की रामावतारम और श्री राम के महाकाव्य की कई और क्षेत्रीय कहानियाँ हज़ारों सालों से पूरे भारत में गूंज रही हैं। यह आम कहानी जो भाषाओं और रीति-रिवाजों से परे है, भारत को एकजुट करने वाले कारक के रूप में उनके कार्य को उजागर करती है। भारत से परे, रामायण का पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया पर प्रभाव है; म्यांमार और लाओस की कला, थाईलैंड की रामाकियन, कंबोडिया की रीमकर और इंडोनेशिया की काकाविन रामायण सभी यह दर्शाते हैं कि राम के सिद्धांत विश्व सांस्कृतिक परंपराओं में कितने गहरे बसे हुए हैं। राम के सिद्धांत सार्वभौमिक रूप से आकर्षक हैं जैसा कि अंकोर वाट के शानदार स्मारकों और जावा की छाया कठपुतलियों से देखा जा सकता है। श्री राम को समर्पित इस शानदार मंदिर को भारत की सॉफ्ट पावर के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के रूप में देखा जा सकता है। राम मंदिर का महत्व स्थानीय सीमाओं से परे वैश्विक क्षेत्र तक फैला हुआ है। यह मंदिर प्रेम, विश्वास, अंतर्राष्ट्रीय भाईचारे और मानवता के सभी सकारात्मक पहलुओं का प्रतीक बन जाएगा जो दुनिया भर के लोगों के साथ गूंजते हैं क्योंकि राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कहानियों को फिर से परिभाषित करते हैं। भारतीय संस्कृति की मूलभूत समावेशिता निःस्संदेह एक अधिक सहायक माहौल प्रदान करेगी। इतिहास की उथल-पुथल के बावजूद, अयोध्या की भावना बनी रही, राष्ट्रीय सीमाओं को पार करते हुए और दुनिया भर में गूंजती रही। भारत से परे, भगवान राम को नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया और अन्य देशों में पूजा जाता है। हजारों सालों से, भारत की संस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक आदर्श पूरे दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप के साथ साझा किए गए हैं। ये विशेषताएं, साथ ही क्षेत्रीय राजनीतिक गतिशीलता, राम मंदिर द्वारा फिर से परिभाषित की जा सकती हैं। भारतीय सभ्यता के मौलिक गुण, समावेशिता और स्वीकृति, ने ऐतिहासिक रूप से दुनिया भर के विभिन्न देशों, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं के बीच राजनीतिक खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे भारत एक पूरी तरह से अलग राष्ट्र बन गया है जहां धार्मिक बहुलवाद की गारंटी है और उसे प्रोत्साहित किया जाता है। अयोध्या में श्री राम मंदिर सदियों के लचीलेपन और भारतीय संस्कृति का उत्सव मनाता है, न कि सिर्फ विनाश की याद दिलाता है। रामलला के दर्शन का उद्देश्य हमारे समाज के मौलिक सिद्धांतों और मूल्यों को बनाए रखना, उनके महत्व पर जोर देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए इन सिद्धांतों की एक स्थायी याद दिलाना है। भगवान श्री राम आदर्श "मर्यादा पुरुषोत्तम" हैं, जो आध्यात्मिक गहराई और मार्शल वीरता का सामंजस्यपूर्ण संयोजन हैं, जो भारतीय लोकाचार की जीवंत ऊर्जा में ऊंचे खड़े हैं और भारतीय समाज, साहित्य, संगीत और गीतों में कल्पना किए गए आदर्श पुरुष का प्रतिनिधित्व करते हैं। राम मंदिर के निर्माण से भारत में समावेश के एक नए युग की शुरुआत हुई है। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को इस जगह पर इकट्ठा होने और भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिसे साझा विरासत के प्रतीक में बदल दिया गया है। राममंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह उन सामान्य आदर्शों की मार्मिक याद दिलाता है जो भारत के लोगों को एक साथ बांधते हैं। मंदिर की भव्यता श्री राम के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ-साथ पिछली कड़वाहट को पीछे छोड़कर एक समृद्ध भविष्य को अपनाने के साझा संकल्प को दर्शाती है। अगर श्री राम को एक बेंचमार्क माना जाता है तो इसलिए नहीं कि वह सिर्फ एक दिव्य शक्ति हैं; बल्कि, इसलिए कि उन्होंने मानवीय क्षमता और दृढ़ता की उस हद को दिखाया जो चमत्कार और अजूबे पैदा कर सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दूसरा वनडे-भारत ने न्यूजीलैंड को 285 रन का टारगेट दिया

राहुल ने 92 बॉल पर 112 रन बनाए, गिल की फिफ्टी

एजेंसी, राजकोट

केएल राहुल ने 87 बॉल पर शतक पूरा किया। भारत ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 285 रन का टारगेट दिया। राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। भारत ने 50 ओवर में 7 विकेट 284 रन बनाए।

केएल राहुल ने 92 बॉल पर नाबाद 112 रन की पारी खेली। उन्होंने वनडे करियर का 8वां शतक लगाया। कप्तान शुभमन गिल ने 56, रोहित शर्मा ने 24 और विराट कोहली ने 23 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने 27 रन का अहम योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से कृश्चन क्लार्क ने 3 विकेट झटके। डेब्यू मैच खेल रहे जैडन लेनोक्स, जैक फॉल्क्स, काइल जैमिसन और कप्तान माइकल ब्रेसवेल को एक-एक विकेट मिला।

क्लार्क को 3 विकेट

केएल राहुल हर बैटिंग पोजिशन पर शतक लगाने वाले बैटर- न्यूजीलैंड के खिलाफ नंबर-5 पर बैटिंग करते हुए शतकीय पारी के बाद केएल राहुल के नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हुआ। वे दुनिया के इकलौते बैटर हैं, जिसने नंबर-1 से नंबर-6 तक हर बैटिंग पोजिशन पर शतक लगाया।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में कोहली की शीर्ष पर वापसी, चार साल बाद फिर बने नंबर-1

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने चार साल से अधिक समय बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। जुलाई 2021 के बाद पहली बार कोहली ने यह मुकाम पाया है। उन्होंने साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की, जिसकी मुख्य वजह न्यूजीलैंड के खिलाफ वडोदरा में खेले गए मैच में उनकी मैच जिताऊ 93 रन की पारी रही। यह कोहली के शानदार करियर में 11वीं बार है जब वह वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। हालिया समय में उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्होंने 135, 102 और नाबाद 65 रन बनाए थे, वहीं अक्टूबर में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उन्होंने नाबाद 74 रन की उम्दा पारी खेली थी। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली पहली बार अक्टूबर 2013 में वनडे रैंकिंग के शिखर पर पहुंचे थे। अब तक वह कुल 825 दिन नंबर-1 पर रह चुके हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक है। वह ऑल-टाइम

सूची में 10वें स्थान पर हैं, जिसमें वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स 2,306 दिनों के साथ शीर्ष पर हैं। इस बीच न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने भी रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के बीच केवल 10 अंकों का अंतर है, जिससे आने वाले दिनों में नंबर-1 की दौड़ और रोचक हो सकती है। अन्य वनडे रैंकिंग अपडेट में के.एल. राहुल एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें और डेवोन कॉनवे तीन स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज पांच स्थान ऊपर चढ़कर 15वें और काइल जैमीसन 27 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 69वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट रैंकिंग में भी बड़े बदलाव- पुरुष टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ एक-एक स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। एशेज सीरीज के अंतिम टेस्ट में दोनों ने शतक जमाए थे, जहां ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में पांच विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज 4-1 से अपने नाम की। इंग्लैंड के जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया में आखिरकार टेस्ट शतक जड़ा और सीरीज में इंग्लैंड के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इससे उन्होंने टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान और मजबूत किया, जबकि हैरी ब्रूक दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। जैकब बेथेल की 154 रन की पारी ने उन्हें 25 स्थान की छलांग के साथ 52वें स्थान पर पहुंचा दिया है। टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' मिचेल स्टार्क ने 31 विकेट लेकर नौवें से तीसरे स्थान तक का सफर तय किया। उनके ऑल-राउंड प्रदर्शन के चलते वह टेस्ट ऑल-राउंडर्स की टॉप-5 सूची में भी शामिल हो गए हैं। स्कॉट बोलैंड 20 विकेट के साथ सातवें स्थान पर बने हुए हैं, जबकि माइकल नेसर पहली बार टॉप-50 में पहुंचे हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने मैच में छह विकेट लेकर नौ स्थान की छलांग लगाई और करियर की सर्वश्रेष्ठ 21वीं रैंकिंग हासिल की।

ग्रीनवुड की हैट्रिक से मार्सेई फ्रेंच कप के अंतिम-16 में

एजेंसी, बायो

मेसन ग्रीनवुड की शानदार हैट्रिक और दो गोल में अहम भूमिका की बदौलत मार्सेई ने क्षेत्रीय टीम बायो को 9-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रेंच कप के अंतिम-16 में जगह बना ली। यह मुकाबला मंगलवार रात को खेला गया। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 22 गोल के साथ मार्सेई के शीर्ष स्कोरर रहे ग्रीनवुड ने मौजूदा सत्र में भी जबरदस्त फॉर्म जारी रखते हुए अब तक 25 मैचों में 19 गोल दाग दिए हैं। ग्रीनवुड के स्ट्राइक पार्टनर अमीन गुइरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और दो गोल करने के साथ एक गोल में असिस्ट दिया। हालांकि बायो की टीम ने जुझारूपन दिखाया, लेकिन कमजोर डिफेंस के कारण वह बड़े अंतर से हार से नहीं बच सकी। फ्रेंच कप में मार्सेई का आक्रामक प्रदर्शन लगातार जारी है।

इससे पहले पिछले दौर में उसने तीसरे डिवीजन की टीम बुर्ग-एन-ब्रेस को 6-0 से हराया था। इस तरह दो मुकाबलों में मार्सेई ने कुल 15 गोल दाग दिए हैं। पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड खिलाड़ी ग्रीनवुड ने 90वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। अब फ्रेंच कप के अगले दौर में मार्सेई की भिड़ंत अगले महीने की शुरुआत में लीग-1 की ही टीम रेनेस से होगी, जो एक ऑल-फर्स्ट डिवीजन मुकाबला होगा।

मुरादाबाद के बैडमिंटन कोच आसिफ और गगन की जोड़ी ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी, मुरादाबाद

बरेली में 9 से 12 जनवरी तक खेली गई राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष डबल्स 35 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में मुरादाबाद के बैडमिंटन प्रशिक्षक-कोच आसिफ सिद्दीकी और गगन पासवान की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता है। सोनकपुर स्टेडियम में बैडमिंटन के प्रशिक्षक-कोच पद पर तैनात आसिफ सिद्दीकी का सोनकपुर स्टेडियम में सम्मान किया गया। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह और उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक ने उन्हें प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। विजेता खिलाड़ी आगरा में प्रस्तावित ऑल इंडिया बैडमिंटन प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन टी20 मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगा पाकिस्तान

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को इसकी घोषणा की। यह सीरीज 29 जनवरी से फरवरी की शुरुआत तक लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित होगी। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम 28 जनवरी, बुधवार को लाहौर पहुंचेगी। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए आगामी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद सैयद ने कहा, "यह दौरा पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों के लिए साल की शानदार शुरुआत है। मैं फैंस से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर दोनों टीमों का समर्थन करें, क्योंकि ये टीमें टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।" यह मार्च-अप्रैल 2022 के बाद से ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान का तीसरा दौरा होगा। उस समय दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट, एक वनडे सीरीज़ और एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला गया था। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान भी पाकिस्तान में अपने तीन मैच खेले थे। गौरतलब है कि 2022 में गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इकलौते टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को तीन विकेट से करीबी

मुकाबले में हराया था। सुमैर अहमद सैयद ने कहा, "गद्दाफी स्टेडियम अब ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए जाना-पहचाना मैदान बन चुका है। मार्च 2022 के बाद से उन्होंने यहां एक टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 मैच खेला है।" टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान को ग्रुप-ए में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है। पाकिस्तान अपना पहला मुकाबला 7 फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा। वर्ष-2009 के टी20 वर्ल्ड कप विजेता पाकिस्तान का पिछला प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां वे ग्रुप चरण से बाहर हो गए थे। हालांकि, 2022 संस्करण में पाकिस्तान उपविजेता रहा था। वहीं ऑस्ट्रेलिया को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप-बी में सह-मेज़बान श्रीलंका के अलावा आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया है।

व्यापार

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव पर सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिनभर लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से बाजार हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन बिकवाली के दबाव ने बाजार को लाल निशान में गोता लगाने के लिए मजबूर कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा ऑयल एंड गैस तथा कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी, आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 30 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 468.12 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 33 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,344 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,012 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,153 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,864 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,441 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,423 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 269.15 अंक की कमजोरी के साथ 83,358.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 182.29 अंक की मजबूती के साथ 83,809.98 अंक तक पहुंचा। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 624.78 अंक टूट कर 442.49 अंक की कमजोरी के साथ 83,185.20 अंक तक गिर भी गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 200 अंक सुधर कर 244.98 अंक की गिरावट के साथ 83,382.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 83.75 अंक लुढ़क कर 25,648.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही।

थोक महंगाई दर दिसंबर में बढ़कर 0.83 फीसदी पर

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को झटका देने वाली खबर आई है। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर दिसंबर में बढ़कर 0.83 फीसदी पर पहुंच गई। खाद्य पदार्थों, गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी से थोक महंगाई दर में वृद्धि हुई है। यह पिछले 8 महीनों का उच्चतम स्तर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि दिसंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर 0.83 फीसदी रही है। इससे पिछले महीने नवंबर में यह शून्य से नीचे 0.32 फीसदी और अक्टूबर में शून्य से नीचे 1.21 फीसदी रही थी। दिसंबर 2024 में थोक महंगाई दर 2.57 फीसदी थी। उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा, ''दिसंबर 2025 में थोक महंगाई दर मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, खनिजों, मशीनरी एवं उपकरणों के विनिर्माण, खाद्य उत्पादों के निर्माण और वस्त्र आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़ी।'' आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में खाद्य पदार्थों की कीमतें 0.43 फीसदी कम हुईं, जबकि नवंबर में यह दर 4.16 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई दर में दिसंबर में 3.50 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नवंबर में यह 20.23 फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक विनिर्मित उत्पादों के मामले में महंगाई दर नवंबर 2025 के 1.33 फीसदी के मुकाबले दिसंबर में 1.82 फीसदी रही। गैर-खाद्य वस्तुओं की श्रेणी की महंगाई दिसंबर में 2.95 फीसदी रही, जबकि नवंबर महीने में यह 2.27 फीसदी थी। वहीं, ईंधन और बिजली क्षेत्रों में महंगाई

दर दिसंबर में 2.31 फीसदी रही, जबकि नवंबर में यह 2.27 फीसदी थी। इससे पहले दिसंबर में खुदरा महंगाई दर सब्जी, अंडा और दाल समेत रसोई की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 1.33 फीसदी पर पहुंच गई। नवंबर में यह 0.71 फीसदी थी। इसका पिछला उच्चतम स्तर सितंबर में 1.44 फीसदी दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) खुदरा महंगाई दर पर नजर रखता है। आरबीआई ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई दर के अनुमान को पहले के 2.6 फीसदी से घटाकर दो फीसदी कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अभी तक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 1.25 फीसदी की कटौती है, जो घटकर अब 5.5 फीसदी है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। घरेलू बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने लगी है। इससे बुधवार सुबह घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव आया है। कच्चा तेल महंगा होने से आज कई शहरों में तेल की कीमतों में तेजी रही है जबकि कुछ जगह गिरावट आयी है। नोएडा में पेट्रोल 94.90 रुपये और डीजल 88.01 रुपये प्रति लीटर हो गया है. वहीं उत्तराखंड में भी तेल की कीमतों में कमी आई है। राजधानी देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे नीचे आकर 93.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल 31 पैसे सस्ता होकर 88.33 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे उछलकर 105.58 रुपये

लीटर हो गया जबकि डीजल 33 पैसे ऊपर आकर 91.82 रुपये लीटर पहुंच गया। चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर है। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, लगातार दूसरे दिन सोना और चांदी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। मकर संक्रांति के दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम से भी अधिक की छलांग लगाई है। सर्राफा बाजार में आई तेजी के कारण सोना ओर चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने आज लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया है। कीमत में आज आई उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,540 रुपये से लेकर 1,42,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,660 रुपये से लेकर 1,30,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,75,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,42,690 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,590

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में 390 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 20 फीसदी के साथ 390 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि मुख्य तौर पर मजबूत निवेश आय से हुई जबकि प्रीमियम आय की वृद्धि सुस्त रही। बीमाकर्ता की शुद्ध निवेश आय इस तिमाही में बीते साल की अवधि की तुलना में 7905.93 करोड़ रुपए के नुकसान के मुकाबले 10,745.64 करोड़ रुपए रही। बीमाकर्ता का वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) सालाना 3.57 फीसदी के साथ 2,525 करोड़ रुपए हो गया। एपीई वार्षिक प्रथम-वर्ष के नियमित प्रीमियम और 10 फीसदी भारित एकल प्रीमियम का योग है। जीवन बीमाकर्ता की शुद्ध प्रीमियम आय मामूली रूप से घटकर 11,809.26 करोड़ हो गई

जो पहले 12,261.4 करोड़ रुपए थी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के एमडी व सीईओ ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों को दी गई हालिया माल एवं जीएसटी छूट ने खुदरा सुरक्षा खंड में वृद्धि को बढ़ावा दिया है, जिससे तिमाही के दौरान बीमाकर्ता की खुदरा बीमा राशि में वृद्धि हुई है। सामान्य बीमा की सबसे बड़ी निजी कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही (तीसरी तिमाही) में सालाना आधार पर 9.04 फीसदी गिरकर 658.88 करोड़ रुपए हो गया।

कभी दो शब्द बोलने में भी कतराते थे ऋतिक रोशन, आज बॉलीवुड के हैं 'ग्रीक गॉड

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड ऋतिक रोशन हिंदी सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं। डांस, एक्टिंग और दमदार लुक के चलते उन्होंने लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस चमक-दमक के पीछे उनका एक लंबा संघर्ष छिपा है। ऋतिक बचपन में हकलाने की समस्या से जूझते थे। छोटे-छोटे शब्द बोलना उनके लिए इतना मुश्किल था कि वे अक्सर अपने आपको अकेले में बाथरूम या अलमारी में बंद कर लेते थे। लेकिन उन्होंने मेहनत और लगन से अपनी मुश्किलों को मात दी। ऋतिक रोशन का जन्म 10 जनवरी 1974 को मुंबई में हुआ था। वे एक फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता राकेश रोशन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर और निर्माता हैं, जबकि उनकी मां पिंकी रोशन गृहिणी हैं। उनके दादा रोशनलाल नागरथ संगीतकार थे और उनके चाचा राजेश रोशन भी संगीत में सक्रिय रहे। ऐसे परिवार में पैदा होने के बावजूद ऋतिक का बचपन आसान नहीं था। ऋतिक को बचपन से ही हकलाने की समस्या थी। स्कूल के समय उन्हें बोलने में मुश्किल होती थी। कई बार उनका मजाक भी बनाया जाता था। लेकिन ऋतिक ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी इस कमजोरी को दूर करने के लिए रोजाना अखबार पढ़ने की आदत डाली। हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू अखबार पढ़कर उन्होंने धीरे-धीरे बोलने की क्षमता बढ़ाई। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और वह हकलाने की बीमारी पर काबू पाने में सफल हुए। ऋतिक ने 10 साल की उम्र में ही चाइल्ड एक्टर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। वे रजनीकांत की फिल्म 'भगवान दादा में नजर आए। उस समय वे छोटे थे, लेकिन बड़े सितारों के साथ काम करने का अनुभव उन्हें सीखने का मौका देता रहा। बॉलीवुड में ऋतिक का असली डेब्यू 2000 में फिल्म 'कहो नाज् प्यार है से हुआ। इस फिल्म ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया। इस सफलता के बाद ऋतिक के पास लगातार फिल्मों के ऑफर्स आने लगे। हालांकि पहली फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता को बनाए रखना उनके लिए आसान नहीं था। ऋतिक की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वैसा करिश्मा नहीं कर सकीं, लेकिन उनका क्रेज कभी कम नहीं हुआ। युवा चॉकलेटी चेहरे, दमदार बॉडी, डांस और स्टाइल ने उन्हें यूथ आइकन बना दिया था। सलमान खान के बाद ऋतिक रोशन ने 2000 के दशक में युवाओं में फिटनेस को पैशन तक पहुंचा दिया था। उन्होंने रोमांटिक, एक्शन और ड्रामा, हर तरह के किरदार निभाए। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें दर्शकों के बीच अलग पहचान दिलाई। ऋतिक को कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने बेस्ट डेब्यू, बेस्ट एक्टर, और बेस्ट डांसर जैसे कई अवॉर्ड्स जीते। उनकी 'धूम 2, 'कृष, 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, और 'सुपर 30 जैसी फिल्मों ने सफलता दिलाई। भले ही ऋतिक के करियर और निजी जीवन में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में भी सम्मान दिलाया है। आज वे एक परिपक्व कलाकार के तौर पर हिंदी सिनेमा में स्थापित हो चुके हैं।

हैप्पी पटेल : खतरनाक जासूस में रूपा का किरदार निभाना रहा मुश्किल: मिथिला पालकर

त्रिभंगा, कारवां और चॉपस्टिक जैसी फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री मिथिला पालकर के हाथ बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। अब मिथिला वीर दास और आमिर खान के साथ काम कर खुद को लकी महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री मिथिला पालकर ने आईएएनएस से खास बातचीत में फिल्म से जुड़े अनुभव शेयर किए और ये भी बताया कि आमिर खान के साथ काम करना कैसा लगा। हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस में मिथिला पालकर ने महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। फिल्म को हां करने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि न करने का सवाल ही पैदा नहीं होता है क्योंकि ये मेरे करियर की पहली कॉमेडी फिल्म है और फिल्म से इतने बड़े लोग जुड़े हैं, जिन्होंने अपने करियर में कमाल किया है। फिल्म आमिर खान के

प्रोडक्शन में बन रही है और मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। फिल्म हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस में अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म मेरे लिए भी बहुत अलग है। फिल्म में मेरा बोलने का तरीका, चलने का तरीका बिल्कुल अलग है। इस फिल्म के लिए मुझे खुद को अलग नजरिए से परखने का मौका मिला है। फिल्म में मिथिला ने रूपा नाम की बोल्ड और बिंदास लड़की का रोल प्ले किया है। सेट पर शूटिंग के समय मिथिला को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि कॉमेडी उनके लिए नया जॉनर है। उन्होंने कहा कि रूपा का किरदार निभाना मुश्किल रहा क्योंकि रूपा बोल्ड और बिंदास है, उसकी अलग दुनिया है और शूटिंग के दौरान अपशब्दों से भरे वाले डायलॉग्स मुश्किल रहे। सबसे ज्यादा मुश्किल था वीर को थप्पड़ मारना, क्योंकि रूपा एक ऐसा किरदार है जिसके अंदर गिल्ट नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि सेट पर वीर को थप्पड़ मारना था और गिल्ट भी महसूस नहीं करना था। चेहरे के एक्सप्रेशन बदलने भी काफी मुश्किल थे क्योंकि सीन कॉमेडी से भरे थे। लेकिन, वीर ने काफी मदद की थी। उन्होंने कहा था कि तुम सब अपनी लाइनों के साथ खेलो, कॉमेडी खुद-बा-खुद आ जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस का ट्रेलर दिसंबर में रिलीज हो चुका है और फिल्म 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राहु केतु का जलवा सिर्फ दर्शकों तक सीमित नहीं, अमिताभ बच्चन, सलमान खान, संजय दत्त समेत इंडस्ट्री ने भी बरसाया प्यार

राहु केतु इस वक्त पूरे फुल फॉर्म में है और फिल्म इंडस्ट्री ने भी इस पर नोटिस लेना शुरू कर दिया है। जैसे ही ट्रेलर रिलीज़ हुआ, माइथोलॉजी और कॉमेडी का ये हटके कॉम्बिनेशन सोशल मीडिया पर छा गया। दमदार गाने हों, दिलचस्प टीज़र या फिर एक बिल्कुल नई और अनदेखी दुनिया—राहु केतु हर वजह से ट्रेंड कर रही है। ऊपर से अलग-अलग शहरों में हुए कॉलेज विज़िट्स ने एक्साइटमेंट को और भी हाई कर दिया है, ये साबित करते हुए कि राहु केतु को लेकर पागलपन बिल्कुल रियल है। लेकिन ये प्यार सिर्फ ऑडियंस और फैंस तक ही सीमित नहीं है। फिल्म को इंडस्ट्री के दिग्गजों से भी भरपूर शुभकामनाएं मिल रही हैं। अमिताभ बच्चन, सलमान खान और संजय दत्त जैसे बड़े नामों ने टीम को बधाइयां दी हैं। इनके साथ अली फज़ल और ऋत्विक धनजानी ने भी अपना सपोर्ट भेजा है, जिससे फिल्म को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट और मजबूत हो गई है। वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे की तिकड़ी के साथ, फिल्म ह्यूमर, अफरा-तफरी और चार्म का फ्रेश डोज़ देने का वादा करती है। विपुल विग के डायरेक्शन डेब्यू वाली इस फिल्म में चंकी पांडे, अमित सियाल, मनु ऋषि चड्ढा और सुमित गुलाटी जैसे दमदार कलाकार भी हैं, जो राहु केतु की दुनिया को और भी रंगीन, लेयर्ड और जबरदस्त एंटरटेनिंग बनाते हैं। लगातार बढ़ता बज़ और हाई लेवल एक्साइटमेंट ये साफ कह रहा है कि राहु केतु इस सीज़न की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली एंटरटेनर फिल्मों में से एक बनने वाली है। ज़ी स्टूडियोज़ की प्रस्तुति, ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, राहु केतु 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। अपनी पूरी गैंग रेडी रखिए और बड़े पर्दे पर इस पागलपन का मज़ा लीजिए।

फराह खान ने नुसरत भरूचा की खुलकर की तारीफ

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने अभिनेत्री नुसरत भरूचा की खुलकर तारीफ की। द फराह खान शो व्लॉग्स के सिलसिले में फराह नुसरत के घर पहुंची। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने न सिर्फ फिल्मों को लेकर बातें कीं, बल्कि एक्ट्रेस के घरेलू और सादगी भरे अंदाज को भी दिखाया। अपने व्लॉग्स में फराह सेलिब्रिटीज के घर जाकर उनके किचन में उनके साथ नई-नई रेसिपीज बनाती हैं। इसके साथ ही दर्शकों को उनके घर का टूर भी करवाती हैं। खाना बनाते-बनाते मजेदार बातें होती रहती हैं। नुसरत भरूचा ने फराह खान के लिए मटन उप्पु करी डिश बनाई। फराह खान ने नुसरत की कुकिंग की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक घरेलूपन है, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाता है। बातचीत आगे बढ़ी तो फराह खान ने नुसरत की मां को भी चर्चा में शामिल किया। उन्होंने बड़ी सहजता से पूछा कि बतौर दर्शक उन्हें अपनी बेटी की कौन-सी फिल्म सबसे ज्यादा पसंद है। नुसरत की मां ने बिना किसी झिझक के सोनू के टीटू की स्वीटी और अकेली का नाम लिया। यह सुनते ही फराह खान ने खासतौर पर फिल्म अकेली का जिक्र किया और नुसरत की परफॉर्मेंस को शानदार बताया। फराह खान ने कहा कि अकेली जैसी फिल्म करना आसान नहीं होता। उन्होंने नुसरत से

कहा, पूरी फिल्म में वह अकेली स्क्रीन पर थीं और कहानी का पूरा बोझ उन्हीं के कंधों पर था। फराह ने मजाकिया अंदाज में कहा, फिल्म इतनी इंटेंस थी कि देखते समय उनका ब्लड प्रेशर तक बढ़ गया। नुसरत ने जिस मजबूती और सच्चाई के साथ किरदार निभाया, वही फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनी। फराह खान ने नुसरत की तारीफ करते हुए आगे कहा, वह उन अभिनेत्रियों में से हैं जो शोर मचाए बिना अपना काम करती हैं। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किरदार को सजाती नहीं हैं, बल्कि उसे जीती हैं। अकेली में नुसरत की आंखें और उनकी खामोशी और डर को दिखाने का तरीका दर्शकों को सीधे कहानी से जोड़ता है। फिल्म अकेली नुसरत भरूचा के करियर का एक अहम मोड़ मानी जाती है।

बॉर्डर 2 के रिलीज से पहले वरुण धवन ने होशियार सिंह दहिया के परिवार से की मुलाकात

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की रिलीज के पहले अभिनेता ने उनके परिवार संग मुलाकात की। इसकी कुछ तस्वीरें अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इस मुलाकात में धानो देवी (होशियार सिंह की पत्नी) ने वरुण को सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। अभिनेता ने पोस्ट कर लिखा, "पीवीसी होशियार सिंह दहिया जी की पत्नी धानो देवी जी और उनके बेटे कर्नल सुशील कुमार दहिया से मिलकर मैं खुद को बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उनका आशीर्वाद पाकर उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैं दिल से आभारी हूं। जय हिंद।" अभिनेता की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फिल्म में वरुण धवन परमवीर चक्र विजेता मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार निभा रहे हैं। मेजर होशियार सिंह दहिया 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अपनी बहादुरी के लिए मशहूर थे। अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 की बात करें तो यह 23 जनवरी को रिलीज हो रही है। यह 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है, जिसे अनुराग सिंह ने निर्देशित किया है। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी के साथ मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। इसे जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। वॉर ड्रामा में इस बार वायुसेना और नेवी के योगदान को भी दिखाया जाएगा।

सागरिका घाटगे ने शेयर की जन्मदिन की झलकियां, फैंस के प्यार के लिए कहा शुक्रिया

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान की पत्नी और मशहूर अभिनेत्री सागरिका घाटगे ने सोमवार को अपने जन्मदिन की झलकियां इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इन तस्वीरों में वे परिवार और दोस्तों के संग नजर आ रही हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा, "मुझे जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वाले सभी दोस्तों और फैंस को दिल से बहुत-बहुत शुक्रिया। आप नहीं जानते कि आपके प्यार भरे मैसेज और शुभकामनाएं पाकर मैं कितनी खुश और आभारी हूं।" उन्होंने लिखा, "एक और साल पूरा होने पर मैं भगवान की बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं। उनकी दी हुई खुशियों, आशीर्वाद और उन सभी लोगों के लिए जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहते हैं। मेरा दिल कृतज्ञता से भर गया है।"

अभिनेत्री की यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में शुभकामनाओं के साथ तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फिल्म चक दें इंडिया में प्रीति सबरवाल का मशहूर किरदार निभाने वाली सागरिका शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। सागरिका घाटगे के पिता का नाम विजयसिंह घाटगे है और वह कागल के पूर्व शाही परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वह खुद कोई फिल्म निर्माता या निर्देशक नहीं हैं। उनकी बेटी सागरिका एक अभिनेत्री हैं जो खुद भी राष्ट्रीय स्तर की हॉकी खिलाड़ी रह चुकी हैं। अभिनेत्री की दादी इंदौर के महाराजा की बेटी थीं। फिल्म चक दे इंडिया के बाद अभिनेत्री ने इरादा, रश, फॉक्स, और मिले ना मिले हम जैसी फिल्मों में भी अभिनय किया है। हालांकि, अभिनेत्री ने अब फिल्मों से थोड़ी दूरी बना ली है। सागरिका ने जहीर खान से लंबे समय तक डेट करने के बाद साल 2017 में एक निजी समारोह में शादी की थी और साल 2025 में बेटे का स्वागत किया। दोनों ने अपने बेटे का नाम फतेह रखा है।

Rajnath Singh Calls for Honouring IPKF Soldiers' Sacrifices in Sri Lanka

New Delhi, Agency: The sacrifices made by Indian soldiers during Operation Pawan in Sri Lanka nearly four decades ago should be honoured, Defence Minister Rajnath Singh said on Wednesday, appearing to criticise the governments in the 1990s for not publicly recognising their contributions.

He said the Modi government is not only acknowledging the contribution of the Indian troops in the operation with an "open heart", but it is also in the process of recognising their contribution at every level.

The defence minister made the remarks at an event that was hosted on the occasion of the Armed Forces Veterans' Day."Today, when the entire nation is remembering its soldiers, commemorating their contributions, and expressing gratitude, I also want to remember all the veterans who participated in the peacekeeping operation in Sri Lanka nearly 40 years ago as part of the IPKF (Indian Peace Keeping Force)," he said.

"The decision taken by the then government to send Indian forces to Sri Lanka is open to debate. I don't want to get into it. But I believe the sacrifices made by our IPKF soldiers who participated in Operation Pawan should be respected," he said.India had lost around 1,200 soldiers during the Indian Peacekeeping Force's stay in Sri Lanka between July 1987 and March 1990.

India and Sri Lanka signed a historic peace accord on July 29, 1987 following which New Delhi deployed the IPKF in the island nation to bring peace in Tamil-dominated areas that had witnessed widespread violence and civil strife for years. However, peace eluded the regions and the IPKF was eventually pulled out.

While the decision to send the IPKF was taken by the Rajiv Gandhi government the troops were pulled out of the island nation when VP Singh-dispensation was in power.

"In Operation Pawan, Indian forces displayed remarkable courage and valor. Many soldiers attained martyrdom in the line of duty. There can be no doubt about their courage and sacrifice," Singh said. "Our government under the leadership of Prime Minister Narendra Modi is not only accepting the contribution of the peacekeepers who participated in Operation Pawan with an open heart, but it is also in the process of recognising their contribution at every level," he said.

Singh also recalled Modi paying tributes to the Indian soldiers at the IPKF memorial in Colombo during his trip to the island nation in 2015.

"We are also recognising the contribution of the IPKF peacekeepers at the National War Memorial in New Delhi and we are also giving them full respect," he said.

Modi paid tributes to the fallen warriors of the IPKF at the memorial during his trip to Sri Lanka in April last year as well.

J&K vital pillar of India's national-security architecture: Northern Army commandera

New Delhi, Agency: Northern Army Commander Lieutenant General Pratik Sharma on Wednesday said Jammu and Kashmir is a vital pillar of India's national-security architecture, not only because of its geographical importance but also due to its strong military ethos and human resources.

Addressing a gathering at the concluding ceremony of the 10th Veterans-Day celebrations in Rajouri, the Army commander also lauded the region's contributions to the armed forces. Jammu and Kashmir is not only strategically important, but is also a vital pillar of the nation's core security architecture in terms of human resources and military tradition," Lt Gen. Sharma said.

Highlighting the region's contribution to the armed forces, he said with a population of nearly 1.5 crore, Jammu and Kashmir accounts for around 4 to 5 per cent representation in India's border security forces. "This is a significant contribution when seen in proportion to the overall strength of the armed forces," he said.

Referring to the rich military legacy of the region, Lt Gen. Sharma said Jammu and Kashmir is deeply rooted in diverse regimental traditions that reflect a unique spirit of patriotism and sacrifice.

The exceptional performance of prestigious regiments such as the JAK Rifles, JAK Light Infantry and Dogra units in every war is a matter of pride for the soil of Jammu and Kashmir and its people," he said.

The Northern Army commander pointed out that the Union Territory is home to nearly 45,000 veterans and 975 "Veer Nari", who continue to serve the country in different capacities.

"Through their discipline and patriotism, our veterans have also made valuable contributions in disaster management and in other civic roles, strengthening military-civil fusion," he added.

Recalling the role of veterans during Operation Sindoor, Lt Gen. Sharma said their experience, local knowledge and valour played a key role in boosting the morale of the troops deployed in border areas.

Encroachments and illegal mining severely damaging Aravalli ecosystem, study warns

New Delhi, Agency: Encroachments, deforestation, illegal mining and rapid expansion of urban infrastructure in the Aravalli ranges have severely impacted groundwater recharge, biodiversity, air quality and climate regulation, according to a new study.

The report noted that extensive diversion of forest land, particularly around the Sariska and Bardod wildlife sanctuaries before the 1980s, led to a sharp decline in native forest cover. This resulted in the fragmentation of crucial wildlife habitats and water catchment areas.

The research, titled Eco-restoration of the Aravalli Landscape, was conducted by the Sankala Foundation with support from the Embassy of Denmark in India and the Haryana State Forest Department. It adopted an integrated approach to tackling ecological degradation by linking environmental sustainability with biodiversity conservation, climate resilience, livelihood security and human rights.

The Aravalli range, one of the world's oldest mountain systems, serves as a critical natural barrier and a life-supporting ecosystem for the National Capital Region and the Indo-Gangetic Plains. However, the study highlighted that this fragile ecosystem, spread across four states and 29 districts and home to more than 50 million people, is under severe threat.

"Deforestation, unsustainable land use, rapid urbanisation, widespread land degradation and desertification have placed immense pressure on the Aravallis," the report stated during its launch on Wednesday by Union Environment Minister Bhupender Yadav.It further noted that encroachments, illegal mining and infrastructure development have weakened the Aravallis' ability to function as a green barrier, accelerating desertification and threatening the ecological stability of the northern plains. To address these challenges, the Sankala Foundation has proposed a site-specific, evidence-based and community-inclusive eco-restoration model.

Air hostess dies by suicide in Maharashtra

ex-partner booked for abetment

New Delhi, Agency: A 21-year-old air hostess has allegedly committed suicide in Maharashtra's Thane district, prompting police to register a case of abetment against her former partner, officials said on Wednesday.

The woman was found hanging at her residence in Kalyan (East) on December 28, 2025.

Following an investigation into her mobile phone and financial records, the Kolsewadi police registered a First Information Report (FIR) on January 10 against her 23-year-old former partner for abetment of suicide, an official said. According to the complaint filed by the victim's mother, her daughter failed to answer her phone calls on the night of December 28, following which a neighbour checked her house at Anusuya Niwas in Kalyan and found her hanging from a ceiling hook.She was rushed to Rukminibai Hospital, where doctors declared her dead, the official said. Her family claimed that she and the accused had been in a relationship since 2020.

The accused allegedly threatened to make some of her photos public, refused to marry her and got into a relationship with another woman recently, which drove her to suicide, they alleged.

Upon reviewing her phone and bank statements after her last rites, the family reported several grievances. The chat records and marks on her body suggested the accused frequently assaulted her.

SC gives split verdict on validity of Section 17A of anti-graft law

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Tuesday delivered a split verdict on the constitutional validity of Section 17A of the Prevention of Corruption Act (PCA) which mandates a prior approval from the competent authority to launch a probe against a government official.

A Bench of Justices BV Nagarathna and KV Vishwanathan, which reserved its verdict on the contentious issue on August 6, 2025, penned separate dissenting verdicts.

Terming it an attempt to "protect the corrupt", Justice Nagarathna held that no prior sanction was needed from the competent authority to probe a government official while Justice Vishwanathan chose to uphold the provision even as he read it down.

Having regard to the divergent opinions expressed by us, we direct the Registry to place this matter before the Hon'ble Chief Justice of India for constituting an appropriate Bench to consider the issues which arise in this matter afresh," the Bench directed.

The verdict came on a PIL filed by the Centre for Public Interest Litigation challenging the validity of Section 17A of the Act introduced through an amendment in 2018. The petitioner had contended that the requirement of prior approval for investigating a public servant reintroduced a protection that had already been struck down by the Supreme Court in Vineet Narain vs Union of India and Dr Subramaniam Swamy vs Director, CBI.

US eyes deeper civil nuclear cooperation with India after SHANTI Act

New Delhi, Agency: The United States has expressed interest in capitalising on India's newly enacted nuclear legislation to deepen civil nuclear cooperation and expand opportunities for American companies.

US Secretary of State Marco Rubio conveyed this during a phone call with External Affairs Minister S Jaishankar, congratulating India on the passage of the Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India (SHANTI) Act.

"He expressed interest in capitalising on this important development to enhance US-India civil nuclear cooperation, expand opportunities for American companies, advance shared energy security goals, and secure critical mineral supply chains," US State Department Principal Deputy Spokesperson Tommy Pigott said in a readout of the conversation.

According to the readout, Rubio and Jaishankar also reviewed progress in bilateral trade agreement negotiations and reiterated their shared commitment to strengthening economic cooperation. The two leaders exchanged views on regional and global developments, reaffirming a common vision for a free and open Indo-Pacific.

Jaishankar later described the interaction as productive, noting that a wide range of strategic and economic issues were discussed.

Just concluded a good conversation with @SecRubio. Discussed trade, critical minerals, nuclear cooperation, defence and energy. Agreed to remain in touch on these and other issues," the External Affairs Minister said in a post on X.

The outreach comes at a sensitive moment in India-US relations, marked by recent frictions over trade policies and US tariffs linked to India's continued imports of Russian crude oil.

Against this backdrop, the emphasis on civil nuclear collaboration and critical mineral supply chains signals an effort by both sides to reinforce long-term strategic and technological ties.

Parliament cleared the SHANTI Bill in December last year, with President Droupadi Murmu subsequently giving her assent, turning it into law. The legislation significantly opens India's civil nuclear sector to private participation in power generation, while retaining government control over strategic fuel-cycle activities such as mining and enrichment. Replacing legacy frameworks such as the Atomic Energy Act of 1962, the SHANTI Act allows private entities to build, own and operate nuclear power plants, a move expected to boost clean energy capacity while strengthening regulatory oversight.